Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 122 जयपुर, रविवार, 06 अक्टूबर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

हरियाणा में 6 बजे तक 61.61% वोटिंग: जगाधरी में फर्जी मतदान पर हंगामा

नूंह-हिसार में झड़प, विनेश फोगाट ने बूथ कैप्चरिंग के आरोप नकारे

संजीवनी टुडे

हरियाणा। हरियाणा में विधानसभा की 90 सीटों पर शाम 6 बजे मतदान खत्म हो गया। चुनाव आयोग के शाम 6 बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक, 61.61% मतदान हुआ है। आगे आंकड़ों में बदलाव हो सकता है। 2019 के विधानसभा चुनाव में 68.20% मतदान हुआ था। शनिवार को पोलिंग के दौरान सबसे ज्यादा 66.28% वोटिंग नूंह में हुई। सबसे कम वोटिंग 49.97 प्रतिशत गुरुग्राम में हुई। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। नूंह में वोटिंग के दौरान 3 जगह बवाल हुआ। कांग्रेस, इनेलो-बसपा और निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थकों के बीच पथराव हो गया। पथराव में 2 लोग घायल हुए हैं। बवाल को देखते हुए चंदेनी, ख्वाजा कलां और गुलालता में पुलिस बल की तैनाती की गई। डीएसपी सुरेंद्र भी गांव का दौरा करने पहुंचे। उधर, जींद के जुलाना से कांग्रेस कैंडिडेट विनेश फोगाट ने बूथ कैप्चरिंग के आरोप नकार दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से पोलिंग हो रही है। कई गांवों का दौरा किया, कहीं भी ऐसी शिकायत नहीं मिली। सुबह भाजपा प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी ने कांग्रेस पर बूथ कैप्चरिंग के आरोप लगाए थे। इस पर वह बूथ पर पहुंचे थे। जहां उनके साथ धक्का-मुक्की हुई थी। यमुनानगर में फर्जी वोट डालने को लेकर इइ्छ कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में लिया है।

पानीपत में मतदान के बीच चाकू चल गए

पलवल में वोटिंग मशीन में तकनीकी खराबी आ गई। जिसके बाद अधिकारियों ने पुरानी मशीन को सील कर नई मशीन लगाई। पानीपत में मतदान के बीच चाकू चल गए। इसराना विधानसभा के गांव नोहरा में बूथ पर वोटिंग को लेकर 2 पक्षों में झगड़ा हो गया। इसमें एक युवक को चाकू मारा गया। करनाल के इंद्री में 4 से 5 युवकों के साथ मारपीट की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को वोट ना डालने को लेकर मारपीट की गई। घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पंचकूला में भाजपा और कांग्रेस के वर्करों में झड़प हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच जय श्रीराम के नारे लगाने को लेकर बहस हुई। पार्टी बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता कांग्रेस नेता चंद्रमोहन बिश्नोई की पत्नी को देखकर जय श्रीराम के जयकारे लगा रहे थे। इसका कांग्रेस वर्करों ने विरोध किया। फतेहाबाद में मतदान केंद्र पर हंगामा हुआ। इनेलो बसपा उम्मीदवार की प्रिजाइडिंग अधिकारी के साथ बहस हुई।

पंचकूला में जय श्रीराम के उद्घोष को लेकर बवाल

पंचकूला के सेक्टर 17 में भाजपा और कांग्रेस के वर्करों में झड़प हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच जय श्रीराम के उद्घोष को लेकर बवाल हुआ है। पार्टी बूथ पर भाजपा के वर्कर कांग्रेस नेता चंद्रमोहन बिश्नोई की पत्नी को देखकर जय श्रीराम के जयकारे लगा रहे थे। इसका कांग्रेस वर्करों ने विरोध किया। इसके बाद बात बढ़ गई और दोनों पार्टियों के वर्कर भिड़ गए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे माने नहीं। इसके बाद मौके पर एटध्क्क जवानों की एक बस बुलानी पड़ी। तब जाकर मामला शांत हुआ। आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र बबली के भाई मनोज को बिना परमिशन मतदान केंद्र में प्रवेश करने दिया। सोनीपत में मतदान केंद्र पर कवरिंग एजेंट बदलने पर विवाद हो गया। यहां पर कांग्रेस कैंडिडेट जगबीर मलिक भी पहुंचे। उनकी पुलिस के साथ बहस हुई। इसके साथ एक जगह वोट डालने को लेकर झगड़ा हुआ। इसमें 2 लोगों को चोटें आईं। हिसार में पूर्व वित्त मंत्री एवं नारनौंद से भाजपा कैंडिडेट कैप्टन अभिमन्यु और कांग्रेस उम्मीदवार जस्सी पेटवाड़ के समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। एक-दूसरे पर बोगस वोटिंग कराने का आरोप लगाया। फतेहाबाद के रतिया में वार्ड नंबर 1 के बुजुर्ग को मृत दिखाकर उसकी वोट काटने का मामला सामने आया है। इसका पता उसे तब चला जब वह वोट डालने पहुंचा।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव के पोल ऑफ पोल्स

हरियाणा के 13 एग्जिट पोल में कांग्रेस की वापसी, जम्मू कश्मीर के 10 पोल में कांग्रेस-गए सरकार

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की 90-90 विधानसभा सीटों पर वोटिंग पूरी हो गई है। वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी। उससे पहले एग्जिट पोल और उसके आधार पर पोल ऑफ पोल्स। दोनों राज्यों में सरकार बनाने के लिए 46 सीटें जरूरी हैं। 12 सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल किए हैं। जम्मू-कश्मीर में भी भास्कर रिपोर्टर्स के अलावा 9 एजेंसियों ने एग्जिट पोल किया है। इन सबको मिलाकर पोल ऑफ पोल्स का हिसाब लगाया है। पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक, हरियाणा के 12 सर्वे में कांग्रेस की सरकार बनती दिख रही है। पार्टी को 56 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा बहुमत से काफी दूर 27 सीटों पर सिमट सकती है। पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के 10 पोल में 5 नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बना रहे हैं, जबकि 5 में वह बहुमत से 10 से 15 सीटें दूर दिख रही है। पार्टी को 40 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा 30 सीटें ला सकती है। पीडीपी और अन्य को 10-10 सीटें आएंगी। हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों तक पहुंचे। आम लोगों, पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स और सीनियर जर्नलिस्ट से बात करके हवा का रुख समझा। इस बातचीत से समझ आया कि हरियाणा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी

बनेगी और वह अपने बलबूते सरकार भी बना सकती है। जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों तक गए और हवा का रुख समझा। चुनाव के दौरान हमने आम लोगों, पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स, सीनियर जर्नलिस्ट और पॉलिटिकल पार्टियों से बात की। इससे समझ आया कि 10 साल बाद भी जम्मू-कश्मीर में एक पार्टी या अलायंस को बहुमत के लिए जरूरी 46 सीटें मिलती नहीं दिख रही हैं। एग्जिट पोल और ओपिनियन पोल में फर्क ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल चुनावी सर्वे है। ओपिनियन पोल को चुनाव से पहले किया जाता है। इसके नतीजे भी चुनाव से पहले जारी होते हैं। इसमें सभी लोगों को शामिल किया जाता है। मतलब जरूरी नहीं कि सर्वे के सवालों का जवाब देने वाला मतदाता ही हो। इस सर्वे में अलग-अलग मुद्दों के आधार पर जनता के मूड का अनुमान लगाया जाता है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह बोले-डोटासरा अपनी गिरेबां में झांके

पेपर लीक की आंच नेताओं की कॉलर तक पहुंचेगी तो बयान और सुर बदल जाएंगे

संजीवनी टुडे

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा- थोड़े दिन रुक जाइए, पेपरलीक की आंच जब नेताओं के कॉलर तक पहुंचेगी, तब बयान और सुर, दोनों बदल जाएंगे। शनिवार को जोधपुर पहुंचे शेखावत अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों को लेकर पूछे सवाल पर उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते ऐसे बयान देना उनका धर्म है, उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। लेकिन अपना हर वक्तव्य देने से पहले उन्हें जब पांच साल उनकी सरकार थी, उस समय राजस्थान में किस तरह के हालात और परिस्थितियां थीं, उसे लेकर एक बार अपने गिरेबां में झांककर अवश्य देखना चाहिए। गौरतलब है कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पिछले दिनों कहा था कि दिसंबर तक कई मंत्रियों की पर्ची बदल जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा- हम बार-बार कहते थे, किस तरह युवाओं के भविष्य के साथ में खिलवाड़ हो रहा है। आरपीएससी और उसके नीचे किस तरह से पेपर लीक का नंगा नाच सरकार के नेताओं के प्रश्रय में किया जा रहा था। शेखावत ने कहा कि मैं तो

डोटासरा जी से इतना ही कहूंगा कि अभी तो परतें उखड़ना शुरू हुई हैं, थोड़े दिन रुक जाइए, जब आंच नेताओं के कॉलर तक पहुंचेगी, तब बयान और सुर, दोनों बदल जाएंगे। मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ में कह सकता हूं कि हरियाणा में चमत्कृत परिणाम आएंगे और फिर एक बार भाजपा की सरकार बनेगी। संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले में क्लीन चिट मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इशारों-इशारों में पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर हमला बोला है। उन्होंने कहा- पूर्व मुख्यमंत्री ने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सरकार और शासन का दुरुपयोग किया है। अपने प्रतिद्वंदी को फंसाना उनकी पुरानी परिपाटी है।

हरियाणा में फिर बनेगी भाजपा सरकार

हरियाणा को लेकर शेखावत ने कहा- चुनाव प्रचार के दौरान जैसा अनुभव किया था कि मतदाताओं का भारी रुझान एक बार फिर नॉनस्टॉप हरियाणा की प्रगति के लिए, हरियाणा में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए प्रदेश की जनता उत्सुक भी है और मानस बना चुकी है। गौरतलब है कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पिछले दिनों कहा था कि दिसंबर तक कई मंत्रियों की पर्ची बदल जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा- हम बार-बार कहते थे, किस तरह युवाओं के भविष्य के साथ में खिलवाड़ हो रहा है।

मोदी बोले- हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे

कांग्रेस का मकसद बांटो और सत्ता में रहो, वे दलित-आदिवासियों को अपने बराबर नहीं समझते

संजीवनी टुडे

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे की रैली में कहा- कांग्रेस और उनके सहयोगियों का एक ही मिशन है- बांटो और सत्ता में रहो। वह जानती है उसका वोट बैंक एक रहेगा। हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे, जश्न मनाएंगे। कांग्रेस को अर्बन नक्सल गैंग चला रहे हैं। वह देश विरोधियों के साथ खड़ी है। वे (कांग्रेस) सोचते हैं कि अगर हम सभी एकजुट हो जाएंगे, तो देश को बांटने का उनका एजेंडा फ़ेल हो जाएगा। कांग्रेस की सोच शुरू से ही विदेशी रही है। अंग्रेजी हुकूमत की तरह कांग्रेस परिवार भी दलित, पिछड़ों और आदिवासियों को अपने बराबर नहीं समझता। इससे पहले उन्होंने वाशिम में कई परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद एक कार्यक्रम में कहा कि हाल ही में दिल्ली में हजारों करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है। एक कांग्रेस नेता ड्रग्स रैकेट का सरगना है। कांग्रेस युवाओं को नशे की लत में धकेलकर मिलने वाले पैसे से चुनाव लड़ना चाहती है। दरअसल, दिल्ली के महरौली में 2 अक्टूबर को 560 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई। बाजार में इसकी कीमत करीब 5600 करोड़ है। इसका मुख्य आरोपी तुषार गोयल 2022 में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की आरटीआई सेल का चेयरमैन रह चुका है।

पीएम ने जगदंबा माता मंदिर में पूजा की, नगाड़ा बजाया

मोदी ने वाशिम से महाराष्ट्र दौरे की शुरुआत की। उन्होंने पोहरादेवी में जगदंबा माता मंदिर में पूजा-अर्चना की और पारंपरिक ढोल बजाया। इसके बाद संत सेवालाल महाराज और संत रामराव महाराज की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पीएम मोदी ने वाशिम में बंजारा विरासत म्यूजियम का उद्घाटन किया। फिर एक कार्यक्रम में पीएम-किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी की। पीएम ने वाशिम में करीब 23,300 करोड़ रुपए की कृषि और पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं की शुरुआत की। पीएम मोदी आज महाराष्ट्र में कुल 56,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की शुरुआत करने वाले हैं। वे ठाणे में 32,800 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद पीएम मुंबई में लगभग 14,120 करोड़ रुपए की लागत वाली मुंबई मेट्रो लाइन- 3 के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (उखए) से आरे जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। फिर उखए और सांताक्रूज के बीच मेट्रो में सवारी भी करेंगे। पीएम ने वाशिम में 9.4 करोड़ किसानों को लगभग 20,000 करोड़ रुपए की पीएम-किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी की।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, जूनियर डॉक्टरों की भूख हड़ताल शुरू

कहा- मांगें पूरी नहीं हुईं, हेल्थ सेक्रेटरी को हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया था

संजीवनी टुडे

कोलकाता। कोलकाता में 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले में जूनियर डॉक्टरों ने भूख हड़ताल पर बैठने का ऐलान किया है। उन्होंने स्वास्थ्य सचिव को हटाने की मांग को लेकर राज्य सरकार को 24 घंटे अल्टीमेटम दिया था। लेकिन समय सीमा खत्म हो चुकी है। अब डॉक्टरों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की बात कही है। डॉक्टरों ने बताया है कि वे भूख हड़ताल की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए भूख हड़ताल मंच पर सीसीटीवी लगाएंगे। ताकि हर कोई देख सके कि वहां क्या हो रहा है? दरअसल, कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर से रेप के बाद जूनियर डॉक्टरों ने 10 अगस्त से 21 सितंबर के बीच 42 दिन तक हड़ताल की थी। राज्य सरकार ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली थी, जिसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म की थी। 27 सितबर को सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया, जिससे नाराज होकर डॉक्टरों ने 1 अक्टूबर को फिर से हड़ताल शुरू की। इसके बाद 4 अक्टूबर को डॉक्टरों ने कहा कि हम अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे, लेकिन हड़ताल खत्म करेंगे। क्योंकि सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज परेशान हो रहे हैं। हालांकि, उन्होंने राज्य सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। मिल रही हैं धमकियां, जूनियर डॉक्टरों ने मांगी सुरक्षा जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि 24 घंटे का समय दिया गया था, लेकिन 24 घंटे बाद मुझे सिर्फ धमकियां ही मिलीं। उत्सव में लौटने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन हम उस मानसिकता में नहीं हैं। डॉक्टरों ने बताया कि पहले चरण में 6 जूनियर डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठेंगे। मांगें फिर भी पूरी नहीं होने पर यह भूख हड़ताल अनिश्चितकाल के लिए जारी रहेगी। अगर ऐसी में किसी को कुछ होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। जूनियर डॉक्टर बोले- ममता ने मीटिंग में किए वादों पर काम नहीं किया जूनियर डॉक्टरों ने 1 अक्टूबर को कहा था कि हमारी सुरक्षा की मांगों को पूरा करने के लिए ममता सरकार का रवैया पॉजिटिव नहीं लग रहा है।

बंगाल में 10 साल की बच्ची का शव मिला: परिवार बोला

रेप के बाद हत्या हुई, भीड़ ने चौकी फूंकी, अधिकारियों को बंधक बनाने की कोशिश की

संजीवनी टुडे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना में आज सुबह 10 साल की बच्ची का शव मिला। परिवार ने बच्ची से रेप के बाद उसकी हत्या का दावा किया है। घटना कृपाखाली इलाके के कुलटाली थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्ची 4 अक्टूबर की शाम से लापता थी, लेकिन पुलिस ने एक्शन लेने में देरी की। घटना के विरोध में लोगों ने महिस्मारी पुलिस चौकी को घेरा और पुलिस पर डंडों और पत्थरों से वार किया। लोगों ने पुलिस चौकी में भी तोड़फोड की और आखिर में वहां आग लगा दी। लोगों का आक्रोश देख पुलिसकर्मी चौकी छोड़कर भाग गए। लोगों ने घटनास्थल पर एसडीपीओ और अन्य पुलिसकर्मियों को बंधक बनाने की भी कोशिश की। इसके बाद इलाके में भारी पुलिस बल भेजा गया। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। कुलटाली के टीएमसी विधायक गणेश मंडल ग्रामीणों को शांत करने के लिए मौके पर गए, लेकिन लोगों ने उन्हें भी खदेड़ दिया। मंडल ने बाद में मीडिया से कहा कि वे लोगों के गुस्से को समझते हैं, लेकिन उन्हें कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए।

भाजपा बोली- ममता बनर्जी बंगाल में लड़कियों की सुरक्षा नहीं कर पा रहीं

केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, ‘कृपाखाली में ट्यूशन से लौट रही चौथी कक्षा की एक बच्ची से रेप के बाद हत्या कर दी गई। ग्रामीणों ने नदी के तल से उसका शव बरामद किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं की सुरक्षा नहीं कर पा रही हैं। नवरात्रि में भी बंगाल की लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहता हूं कि आपके कुशासन में और कितनी बंगाली लड़कियों को यह दुर्दशा झेलनी पड़ेगी।‘ भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा, ‘कल ट्यूशन से लौट रही 9 साल की बच्ची का शव आज नहर में मिला। ममता बनर्जी की पुलिस ने क्क्त्ट दर्ज नहीं की। जिन लोगों ने बच्ची का शव देखा है, उनके अनुसार उसके शरीर पर अभया (कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर) के शरीर जैसी ही चोटें थीं। इस मामले में शव को सुरक्षित रखना चाहिए। पोस्टमॉर्टम केंद्र सरकार के अधीन किसी अस्पताल में होना चाहिए। मैंने बच्ची के पिता से बात की और वे इस बात से सहमत हैं कि शव को सुरक्षित रखना चाहिए। एख्र को जिम्मेदारी लेनी चाहिए क्योंकि वे आरोपियों को बचा रही हैं। हम आरोपियों को फांसी की सजा और मामले की एउक्रजांच की मांग करेंगे। लोग बोले- पुलिस ने कोलकाता रेप-मर्डर केस जैसा रवैया दिखाया एक स्थानीय व्यक्ति ने दावा किया कि 4 अक्टूबर को बच्ची के लापता होने के बाद परिवार ने महिस्मारी चौकी में एफआईआर दर्ज कराई थी। हालांकि पुलिस ने इस शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और कार्रवाई नहीं की। पुलिस का रवैया वैसा ही था जैसा आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के बाद शव मिलने के कोलकाता पुलिस का रवैया था।

आरएएस अफसर की डेंगू से मौत

तबीयत बिगड़ने पर एयरलिफ्ट कर ले गए थे चेन्नई, राजस्थान में अब तक 5 लोगों की जान गई

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान में डेंगू से मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। उदयपुर की टइ्ट ऑफिसर तरु सुराणा (42) की डेंगू से मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर उनको एयरलिफ्ट कर चेन्नई ले गए थे। जहां शनिवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं शुक्रवार देर रात चूरू में डेंगू पॉजिटिव महिला की एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रदेश में डेंगू से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। शुक्रवार और शनिवार को हुई मौतों के अलावा एक सरकारी डॉक्टर, नर्सिंग छात्रा और बिजनेसमैन की भी मौत हो चुकी है। आरएएस ऑफिसर तरु सुराणा उदयुपर के पंचवटी इलाके में रहती थीं और अभी वे पंजीयन और मुद्रांक विभाग में महा निरीक्षक के पद पर कार्यरत थीं। तरु तीन भाई-बहन में सबसे बड़ी थीं। इनसे छोटी बहन पूजा गुजरात में जज हैं और तीसरे नंबर पर भाई शुभव है। तरु के छोटे भाई शुभव ने बताया कि 6 सितंबर को दीदी को तेज बुखार आना शुरू हुआ था। इस पर 4 दिन तक घर पर ही इलाज लिया। 11 सितंबर को जब उनकी ?तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो शहर के ही गीतांजलि हॉस्पिटल में चेकअप कराया। यहां जांच हुई तो पता चला कि उन्हें डेंगू है। इसके बाद 13 सितंबर को उनको गीतांजलि हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। शुभव ने बताया कि डेंगू में दीदी की प्लेटलेट्स नहीं गिरी थी, लेकिन बुखार लगातार बना हुआ था। जब तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो चेन्नई के एमजीएम हॉस्पिटल के डॉक्टर्स से कॉन्टैक्ट किया। 18 सितंबर को एमजीएम हॉस्पिटल की टीम गीतांजलि हॉस्पिटल पहुंची और उसी दिन दीदी को एयर लिफ्ट कर चेन्नई ले गए।

राहुल ने कोल्हापुर में शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण किया: बोले

सिंधुदुर्ग में मूर्ति टूटी क्योंकि नीयत साफ नहीं थी, हम उसी विचारधारा के खिलाफ

संजीवनी टुडे

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि लोगों को डराने और देश में संविधान को नष्ट करने के बाद शिवाजी महाराज के सामने झुकने का कोई फायदा नहीं है। वे कोल्हापुर में शिवाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण करने पहुंचे थे। राहुल ने कहा- नीयत दिख जाती है। उसे छिपा नहीं सकते। उन्होंने मूर्ति बनाई, जो कुछ दिन बाद टूट गई। उनकी नीयत गलत थी। शिवाजी महाराज की मूर्ति ने मैसेज दिया कि आप मूर्ति बनाओगे तो शिवाजी विचारधारा की रक्षा भी करनी पड़ेगी। इसके बाद वे संविधान सम्मेलन में शामिल हुए। जहां उन्होंने कहा कि आरक्षण से 50% की सीमा को हटाने के लिए कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक कानून लेकर आएगी। विधानसभा चुनाव से पहले राहुल का यह दौरा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार की शुरुआत मानी जा रही है। शिवाजी महाराज ने देश दुनिया को क्या मैसेज दिया। सबसे पहले उन्होंने कहा था देश सबका है। सबको लेकर चलना है। अन्याय नहीं करना है।

सिंधुदुर्ग मूर्ति टूटने की घटना पर कहा

हिंदुस्तान में 2 विचारधाराओं की लड़ाई है। एक समानता की बात करती है, दूसरी लोगों को डराने-धमकाने की। दूसरी विचारधारा के खिलाफ आज कांग्रेस लड़ रही है। नीयत दिख जाती है। उसे छिपा नहीं सकते। उन्होंने मूर्ति बनाई और कुछ दिन बाद वो टूट गई। नीयत गलत थी। उसने मैसेज दिया कि आप मूर्ति बनाओगे तो उसकी विचारधारा की रक्षा करनी पड़ेगी।मगर हम सोचें कि इनकी सोच का आज कौन सा चिह्न है तो वो ये संविधान है। सीधा सा कनेक्शन है। जो शिवाजी महाराज ने कहा था, 21वीं सदी में उसका ट्रांसलेशन संविधान है। उनकी सोच से ही संविधान आया। अगर शिवाजी और शाहूजी महाराज जैसे लोग नहीं होते तो संविधान नहीं होता।आज यहां मूर्ति का अनावरण कर रहे हैं। शिवाजी महाराज की। ये सिर्फ एक मूर्ति नहीं। मूर्ति जब बनाई जाती है जब हम किसी व्यक्ति की विचारधारा को, उनके कर्मों को दिल से समर्थन करते हैं। हम यहां आए और मूर्ति अनावरण कर दिया। और जो ये पूरी जिंदगी जिसके लिए लड़े, हम उसके लिए लड़ें तो मूर्ति का कोई मतलब ही नहीं। जिस तरीके से ये जिए, शायद हम न कर पाएं।

खबरें फटाफट

नांदी कम्युनिटी फाउण्डेशन के तत्वाधान में आम जन के लिए लगाया ट्युबबेल

संजीवनी टुडे

फागी। फिल्टर प्लांट निर्माण से पूर्व रा.उ.प्रा.वि. जगन्नाथपुरा के खेल मेंदान में ट्यूबबेल लगाया गया। विधालय परिवार व ग्राम पंचायत प्रशासन ने नांदी फाउण्ड़ेशन का आभार जताया। फिल्टर प्लांट स्थापित होने के बाद रोजाना दस हजार लीटर पेयजल उपलब्ध होगा। इस दौरान फाउण्डेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल दहिया, फील्ड अधिकारी रामप्रसाद शर्मा, विधालय के प्रधानाचार्य सीताराम रैगर, समाजसेवी दिनेश बागड़ा मौजूद रहे।

पड़ोसियों ने मां-बेटी से मारपीट की, केस दर्ज

संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में पड़ोसियों ने मां-बेटी से मारपीट की। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार भागदोड़ा कॉलोनी, लकड़वास निवासी रेखा देवी ने रिपोर्ट दी कि 2 अक्टूबर की रात 9 बजे वह अपनी बेटी के साथ घर पर थीं। इस दौरान पड़ोसी विजय कालबेलिया ने उनके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर विजय की बहन मोनिका, सुनकी, तमन्ना, सीमा, भावना ने बेटी के साथ मारपीट की। बचाव करने पर उन्हें भी पीटा, जिससे दोनों को चोटें आईं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चिकित्सा शिविर में जांच कर दिया परामर्श

संजीवनी टुडे

उदयपुर। चित्रकूट नगर भुवाणा स्थित महेश सेवा संस्थान परिसर में शनिवार को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में माहेश्वरी समाज सहित क्षेत्र निवासियों ने लाभ उठाया और शिविर में मौजूद चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श लिया। संस्थान के उपाध्यक्ष जीतेन्द्र इनाणी ने बताया कि शिविर में चित्रकूट नगर, मीरा नगर, भुवाणा, शोभागपुरा क्षेत्र के निवासी पहुंचे और उन्होंने परामर्श का लाभ लिया। चिकित्सा विशेषज्ञों ने मलेरिया, डेंगू जैसी मौसमी बीमारी के प्रति सजग रहने के सुझाव भी दिए।

कांस्टेबल पद पर चयनित 31 अभ्यर्थियों की जांच 15 को

संजीवनी टुडे

उदयपुर। जिला पुलिस में कांस्टेबल घुड़सवार और चालक के 31 खाली पदों पर चयनित अभ्यर्थियों की जांच और दस्तावेज से जुड़ी प्रक्रिया 15 अक्टूबर को पूरी की जाएगी। आईजी राजेश मीणा ने बताया कि जिले में कांस्टेबल घुड़सवार के 7 और चालक के 24 पद खाली हैं। इनके लिए पिछले साल 28 दिसंबर को दक्षता परीक्षा हुई थी। पास अभ्यर्थियों ने गत 13-14 जून को कम्प्यूटर टेस्ट दिया। उन्हीं में से पास 31 को चुना है। भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड ने गत 1 अक्टूबर को इसी सूची को अप्रूव किया। अब 15 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन, स्वास्थ्य परीक्षण, मूल दस्तावेजों की जांच, आवेदन पत्र भरने के साथ चरित्र सत्यापन किया जाएगा।

7 साल की मासूम से दुष्कर्म, 2 आरोपी अपचारियों की जमानत अर्जी खारिज

संजीवनी टुडे

उदयपुर। गोवर्धन विलास क्षेत्र में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी दो बाल अपचारियों की जमानत अर्जी कोर्ट ने खारिज कर दी। एक महिला ने गत 11 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि 7 साल की बेटी बिस्किट लेने गई थी। देर तक नहीं लौटने तलाश की तो वह घर के पास ही रोती मिली। उसने बताया कि वह गार्डन में खेल रही थी। तभी दो बदमाश उसे सुनसान जगह ले गए, जहां मुंह दबाकर दुष्कर्म किया भाग गए। पुलिस ने 9 व 10 साल के दोनों नाबालिग आरोपियों को डिटेन किया। संप्रेक्षण गृह भेजे गए दोनों बाल अपचारियों की ओर से जमानत का प्रार्थना पत्र पेश किए गए। विशिष्ट लोक अभियोजक सैयद हुसैन ने तर्क दिया कि दुष्कर्म से बच्ची को अंदरूनी चोटें आई हैं। नाबालिग उम्र में ऐसा अपराध गंभीर है। पॉक्सो-2 कोर्ट के जज में ऐसा अपराध गंभीर है। पॉक्सो-2 कोर्ट के जज संजय कुमार भटनागर ने दोनों अपचारियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

संजीवनी टुडे

सराड़ा । उदयपुर-जयसमंद स्टेट मेगा हाईवे पर शनिवार दोपहर कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। इसमें एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। केवड़ा चौकी प्रभारी भागीरथ ने बताया कि डाक पलटा घाटी निवासी अमित (20) पुत्र मेघराज मीणा व हरिश (20) पुत्र बाबूलाल मीणा दोनों बाइक पर सवार होकर पलोदड़ा की तरफ जा रहे थे। तभी दोपहर करीब साढ़े तीन बजे ओड़ा स्कूल के सामने सलूंबर से उदयपुर की तरफ जा रही बोलेरो कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

6 दिवसीय श्री विधानी महोत्सव कार्यक्रम का भंडारे के साथ हुआ समापन

रामधुनी पर नाचते गाते शोभायात्रा निकाली ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा करके किया स्वागत

संजीवनी टुडे

कार्यक्रम के दौरान कई जनप्रतिनिधि वह प्रशासनिक अधिकारी सहित कई संत रहे मौजूद

चाकसू। यहां शुक्रवार को शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में श्री गोपाल सागर आश्रम विधानी धाम में 6 दिवसीय श्री विधि महोत्सव परिक्रमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्री श्री 1008 मिथिला बिहारी जी महाराज, लक्ष्मी निधि महाराज, श्री सरजू बिहारी जी महाराज सहित कई संतों का आश्रम में प्रवेश किया गया था और वहीं दोपहर 12 बजे नींदड़ ,आलयावास, चाकसू ,छादेल कला से पैदल यात्री डीजे की धुन में नाचते-गाते विधानी धाम में पहुंचे और आश्रम से परिक्रमा करते हुए जगदीश महाराज के मंदिर में पहुंचे और मंदिर में निशान व प्रसादी चढ़कर झांकियों के लवाजमा के साथ डीजे की

धुन में नृत्य करते हुए विधानी आश्रम में पहुंचे और श्रद्धालुओं ने स्वरूप सरकारो गुरु महाराज के कर कमल से आरती की गई वही ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर व आतिशबाजी से शोभा यात्रा का स्वागत सत्कार किया गया और भगवान की जय कारे लगाए गए और और वहीं पश्चात भजन गायक मंडलियों द्वारा परिक्रमा महोत्सव कार्यक्रम का आगाज किया गया वहीं आश्रम में आसपास के कई जिलों कई गांव से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे वही साथ में पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व राजस्थान सरकार के मंत्री व्रज किशोर शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि वह प्रशासनिक अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल रहे हैं ।

वहीं स्थानीय थाना पुलिस जाप्ता सहित अन्य थानों की पुलिस भी मौके पर मौजूद रही है । वहीं आश्रम के संरक्षक कैलाश चंद शर्मा ने जानकारी देते बताया कि आश्रम में आए हुए श्रद्धालुओं को जयकारे लगवाकर भोजन प्रसादी करवाई गई है वही आश्रम के सेवक जगदीश छींपा ने जानकारी देते बताया कि पैदल परिक्रमा में आए हुए भक्तों ने संत महात्माओं का आशीर्वाद लिया और उनके परिवार व क्षेत्र में सुख समृद्धि की मन्नत मांगी गई है । वहीं 6 दिवसीय कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ है ।

समाज कल्याण सप्ताह: बाल दिवस के रूप में हुआ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संजीवनी टुडे

पाली। उपनिदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग,पाली ज्योति प्रकाश अरोड़ा ने बताया कि हरवर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज कल्याण सप्ताह के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शक्ति विधा मंदिर विद्यालय, पाली में बालदिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर समाजकल्याण विभाग से उपनिदेशक ज्योति प्रकाश अरोड़ा ने उपस्थित विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं समाज मे कमजोर वर्ग व कच्ची बस्तियों में रहने वाले बालकों को जागरूक करने के साथ ही पालनहार जैसी योजनाओं से जोड़कर लाभ पहुंचाया जाये तथा इसके साथ ही राजकीय किशोर गृह व हॉस्टल व आवासिया विधालय मे भी बाल दिवस का आयोजन किया गया व किशोर गृह मे चिकत्सा विभाग की टीम द्वावरा बच्चों का स्वास्थ परिक्षण किया गया व आंगनवाड़ी केन्द्रो पर टीकाकरण व सफाई अभियान का संचालन किया गया।कार्यक्रम का संचालन करते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण से मांगीलाल तँवर ने निःशुल्क विधिक सहायता,लोक अदालत पीड़ित प्रतिकर योजना 2011 आदि की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में एआरटी सेंटर से भीख सिंह ने भी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सम्बंधित व वरिष्ठ समाज सेवी राधेश्याम भाटी ने विद्यार्थियों को मौसमी बीमारियों से बचने सम्बन्धी जानकारी दी।इस शिविर में गांधी जयंती सप्ताह सम्बंधित प्रश्नोत्तरी भी की गई। इस शिविर में गणपतलाल निम्बार्क ,सुनीता वैष्णव गणपतराम जेल स्टाफ़ व लगभग 150 विद्यार्थियों ने शिविर में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत मे श्री भरत निम्बार्क ने आभार जताया।

भाजपा के सदस्यता अभियान में कृषि मंत्री ने बताई प्रदेश और केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं

संजीवनी टुडे

फागी। रेनवाल मांजी में शनिवार को भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर अहम बैठक का अयोजन हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी बतौर मुख्य अतिथि रहे। जयपुर दक्षिण देहात किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष बलवीर सिंह जाबड़ ने मंत्री को साफा पहनाकर तलवार भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में मंत्री भागीरथ चौधरी ने लोगों को सरकार की योजनाएं गिनाईं। मंत्री ने कहा कि भाजपा की प्रदेश और केंद्र सरकार की ओर से हर वर्ग को ध्यान में रखकर जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। आज गरीब तबके के हर व्यक्ति को लाभ पहुंचा है। लाडली बहना योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर जीवन यापन कर पा रही है। किसानों के लिए किसान सम्मान निधि वरदान साबित हुई है। साथ ही युवा किसानों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम और आसान लोन जैसी योजनाएं चलाकर,

उन्हें आगे बढ़ाया जा रहा है। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष बलवीर सिंह जाबड़ ने सदस्यता अभियान तथा भाजपा की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। और कहा कि भाजपा की ओर से चलाया जा रहा प्राथमिक सदस्यता अभियान निःशुल्क है। जिलाध्यक्ष ने जिले भर से ज्यादा से ज्यादा भाजपा के सदस्य बनाने का आव्हान किया। इस दौरान किसान प्रदेश मंत्री बलराम दूण, जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुमन कुमावत, वीरेंद्र जैन, रेनवाल मण्डल अध्यक्ष तेजपाल भाखर, माधोराजपुरा दीपक कुमावत, रंगलाल गुर्जर, जिला परिषद जैकी टाटीवाल, रामसिंह चांदावास, मदन सिंह, रमेश निठारवाल, नवल यादव चित्तौड़ा, हिमांशु जैन के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह 27 अक्टूबर को कैमरी में

संजीवनी टुडे

जगदीश धाम देववाणी गुर्जर पत्रिका की ओर से आयोजित होगा समारोह

नादौती। राजस्थान के गंगापुर सिटी जिले की नादौती तहसील के जगदीश धाम कैमरी में आगामी 27 अक्टूबर रविवार को राष्ट्रीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम को लेकर जगदीश धाम कैमरी में कार्यक्रम संयोजक सियाराम वकील की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। इसमें सम्मान समारोह की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में देशभर की सैकड़ो गुर्जर प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। प्रतिभा सम्मान समारोह समिति के सदस्य सुरेन्द्र खटाना ने समारोह की जानकारी देते हुए बताया कि जगदीश धाम देववाणी गुर्जर पत्रिका के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 16वें राष्ट्रीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह में देशभर की गुर्जर प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। खटाना ने बताया कि समारोह में कक्षा 10 एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा-2024 में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र तथा 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं के अलावा खेलों में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। खेल क्षेत्र में राज्य स्तर पर विजेता, राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता, एनसीसी में सी प्रमाण पत्र, स्काउट गाइड में राष्ट्रपति अवार्ड, राष्ट्रीय स्तर पर नवाचार, शोध, अनुसंधान व प्रमाण पत्र प्राप्तकर्ता को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार एमबीबीएस, आईआईटी सहित प्रथम श्रेणी राजपत्रित अधिकारी तथा आईएएस, आईपीएस, भारतीय सेना में वीरता पदक प्राप्त जवान व राष्ट्रीय खेलों के रूप में प्रतिनिधित्व करने वाली प्रतिभाओं आदि को सम्मानित किया जाएगा। खटाना ने बताया कि प्रतिभा सम्मान के लिए 20 अक्टूबर तक आवेदन लिए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में देशभर से गुर्जर समाज के प्रमुख नेतागणों, बुद्विजीवी व शिक्षाविदों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में व्यवस्थाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।

शीतला माता मंदिर परिसर में पुलिस कंट्रोल रूम की जगह दुकानें नहीं बनाने के लिए सौंपा ज्ञापन

संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां शनिवार को जीएसएस मेंबर बाबूलाल गुर्जर, रामावतार, मुकेश गौतम, मानव शर्मा, सागर सोनू बैरवा, भरतलाल आदि स्थानीय ग्रामीणों ने शितला माता के मंदिर पर बने पुराने पुलिस कंट्रोल रूम व पुरानी माताजी की रसोई को दुकानों में प्रवर्तित नही करने को लेकर उपखंड अधिकारी व अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। और वही इस दौरान उन्होंने ज्ञापन में बताया कि माताजी के मंदिर के पास माताजी का रसोई घर व पुलिस कंट्रोल रूम बना हुआ है । जिस पर शीतलामाता ट्रस्ट शीलकी डूंगरी द्वारा निर्माण कर दुकाने बनायी जा रही है जबकि उक्त ट्रस्ट में कोई स्थानीय व्यक्ति नहीं है।

उक्त ट्रस्ट के माध्यम से पुराना बना रसोई घर व पुलिस कंट्रोल मय पुख्ता निर्माण किया गया है जिसके आगे टीनशेड लगा हुआ है तथा बीच में हॉल भी है उक्त की जगह पर अतिक्रमण कर नये सिरे से दुकाने शीतलामाता ट्रस्ट शीलकी डूंगरी द्वारा बनाई जा रही है ? जबकि उक्त जगह पर दुकाने बनाने से आने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना

करना पड़ेगा तथा उनको बिना रसोई घर के अभाव में खाना बनाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा वहीं इसलिये उक्त शीतलामाता ट्रस्ट शीलकी डुगरी द्वारा किये जा रहे है निर्माण को रूकवाया जावे उक्त रसोई घर में प्रतिवर्ष खाना बनाकर भण्डारा भी लगाया जाता है । तथा माताजी के मंदिर में रामधुनी की जाती है। उक्त रसोई घर को परिवर्तन कर अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने के उदेश्य से पुराने बने निर्माण को ध्वस्त कर दुकानों का निर्माण किया जा रहा है तथा उक्त रशोई घर पर पुराना लेख लिखा हुआ था जिसे भी मिटा दिया गया। वही ज्ञापन में नया निर्माण नही करने व किए जा रहे निर्माण को रुकवाने एंव माता के रास्ते मे किए गए थड़ी ठेलो आदि के अतिक्रमण को भी हटाने की मांग की गई हैं। वही अधिशासी अधिकारी ने उचित कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया गया है ।

तुर्क और मुगलों ने किया था मंदिर पर आक्रमण, भामाशाह ने कराया जीर्णोद्धार

संजीवनी टुडे

सराड़ा।सलूंबर जिले की जावर माता करोड़ों टन चांदी के खजाने पर विराजमान है। कह सकते हैं कि जिले की सबसे बड़ी धनाढ्य देवी है। प्रतिदिन चांदी व जस्ते का खनन जावरमाला, बोरिया, मोचिया, बलारिया समेत कई खदानों में होता है। जेवर चढ़ाने की परंपरा से पहले जेवर फिर जावर माता के नाम से प्रसिद्ध हुई। वहीं यहां जावर शहर भी था जिससे जावर माता नाम पड़ा। सलूंबर से महज 45 किमी की दूरी पर स्थित जावर माता का स्थान है। शिलालेख से जावर माता का इतिहास 1000 वर्ष से अधिक पुराना है। कहा जाता है कि माताजी को सच्ची श्रद्धा से कोई भी मन्नत मांगों तो माता सहज स्वीकार कर उसकी मुराद पूरी कर देती है। टीड़ी नदी के समीपवर्ती बने शक्तिपीठ और सालभर भक्तों की रेलमपेल रहती है। जबकि रविवार व नवरात्र के 9 दिन यहां भक्तों का सैलाब रहता है। जावर माता मेवाड़ व सलूंबर जिले का सबसे प्राचीन शक्तिपीठ है। यह कथा प्रचलित है कि प्राचीन काल में देवी मां के समक्ष तब जेवर चढ़ाने की परम्परा थी और इसीलिए इसका नाम जावर माता पड़ गया। सलूंबर से लगभग चालीस किमी दूर जावर माइंस से पहले रास्ते में ही जावर माता का मंदिर पड़ता है। मंदिर से जुड़े शिलालेखों के मुताबिक, यह शक्तिपीठ

ग्यारह सौ साल पहले की है। हालांकि,मंदिर का निर्माण कब हुआ, स्पष्ट नहीं कहा जा सकता। इतिहासकार बताते हैं कि जावर माता मंदिर के गर्भ गृह के बाहर सैकड़ों प्रतिमाएं लगी हुई हैं। इस तरह के मंदिर नौवीं तथा दसवीं शताब्दी के बीच ही मनाए जाते थे। ये प्रतिमाएं विशेष प्रयोजन तथा पौराणिक कथाओं को समेटे हुआ करती हैं। मान्यता है यहां आने वाले भक्त की हर मनोकामना पूरी होती है। इसलिए यहां विदेशियों का भी आना लगा रहता है। यहां लोग माता के दर्शन एवं मंदिर की प्राचीनता एवं पत्थर पर उत्कीर्णता को देखने आते हैं। मंदिर के गर्भगृह के बाहर चौसठ स्तम्भ तथा ऊपर की ताल पर 32 स्तम्भ हैं, जिन पर प्रतिमाएं लगी हुई हैं। जावर गांव ढाई हजार साल पहले समृद्ध नगर हुआ करता है, जिसकी पहचान आधी दुनिया तक औद्योगिक ही नहीं, बल्कि धार्मिक नगरी के रूप में हुआ करती थी। म्यूजियम ऑफ लंदन की खोज में इस बात का उल्लेख है कि ढाई हजार साल पहले यहां के लोग धातु विज्ञान में विशेषज्ञता प्रात कर चुके थे। इसी तरह अमेरिका एसोसिएशन ऑफ मेटल्स भी स्वीकार कर चुकी है कि सातवीं सदी में ही जावर भारत की प्रमुख अर्थ नगरी थी, जिसमें यहां के मंदिरों एवं धार्मिक महत्व का भी उल्लेख किया। इतिहास में इस मंदिर पर तुर्क और मुगल आक्रमणों की जानकारी लिखी है। अलाउद्दीन खिलजी के साल 1303 में जावर को लूटने का इतिहास है। इतिहास में उल्लेख है कि इस मंदिर में पहले भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित थी।

अलाउद्दीन खिलजी ने जब चित्तौड़ पर हमला किया, तब उसने जावर को भी लूटा और इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा को खंडित कर दिया। उसके बाद मेवाड़ के महाराणाओं ने यहां देवी की प्रतिमा स्थापित कराई थी। साल 1313 के बाद इस मंदिर का जीर्णोद्धार भामाशाह ने कराया था। महाराणा लाखा काल के एक ताम्रपत्र में इस मंदिर के बारे में उल्लेख है कि मेवाड़ राजघराने ने पुजारी परिवार को मंदिर के लिए भूमि दान दी थी। यह शक्तिपीठ इसलिए भी अनोखा है कि देशभर में महिषासुरमर्दिनी के रौद्र रूप की प्रतिमाएं मिलती है, लेकिन यहां महिषासुरमर्दिनी का रूप शांत है। पूर्वमुखी मंदिर के पश्चिम दिशा के चोकोर गर्भगृह में सैकड़ों साल पुरानी प्रतिमा आज भी स्थापित है। जावर की खदानों से निकलती है चांदीः यहां पर कई दंत कथाओं में माताजी का अलग-अलग नामों से जाना जाता है। जावर की खदानों से चांदी निकलती है, जिससे जेवर बनाए जाते हैं। उन्हीं जेवरों को माताजी के चढ़ावा चढ़ाया जाता था। जेवर चढ़ाने की परंपरा से जेवर और बाद में जावर माता नाम पड़ा। नेजा लूटने की परंपरा भारत भर में नहीं देखने को मिलती है।

कैंसर जागरूकता सेमिनार में दी केंसर बीमारी से बचाव के बारे में जानकारी

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। लायंस क्लब राजगढ़ एवं राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में कैंसर जागरूकता एवं परामर्श सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब राजगढ़ के अध्यक्ष प्रदीप महावर द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ के प्राचार्य डॉ के एल मीणा रहे। मुख्य वक्ता के रूप में आयुर्वेदिक हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ भूपेंद्र कुमार मीणा रहे। लायन सचिव एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि मुख्य वक्ता डॉ भूपेंद्र मीणा ने कैंसर के सिम्टम्स के बारे में लोगों को अवगत कराया तथा लोगों को कैंसर से बचाव के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर दीपक कुमार निनामा एमडीआरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर द्वारा वर्चुअल संबोधित किया और लोगों को कैंसर से लड़ने के लिए जागरूक किया और कैंसर के जो मिथक थे उनको दूर किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के रीजन चेयरपर्सन गिरीश गुप्ता ने श लोगों को कैंसर से जागरूक रहने के लिए अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल मीणा ने लोगों को कैंसर से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय साझा किये। कार्यक्रम का संचालन प्रोफ़ेसर डॉ आंचल मीना एवं एन एल वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अशोक काकोडिया, डॉ आंचल मीना,एन एल वर्मा थे। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय कॉलेज के प्रवक्ता, छात्र-छात्राएं एवं लायंस क्लब के खेम सिंह आर्य, मदन लाल शर्मा, राजेश शर्मा ठेकेदार, अजय यादव, वीरेंद्र दाधीच, लोकेश रावत और काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विश्व वन्यजीव सप्ताह के आयोजन द्वारा जागरूकता का सन्देश

संजीवनी टुडे

रामबाग। स्थित एस एस जैन सुबोध महिला महाविद्यालय में विज्ञान संकाय एवं आईआईसी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विश्व वन्य जीव सप्ताह के अंतर्गत एक विशेषज्ञ वार्ता एवं पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता के माध्यम से वन्य सम्पदा संरक्षण जागरूकता का सन्देश दिया। दीप प्रज्वलन से आरम्भ हुए इस आयोजन में प्राचार्या डॉ रेणु जोशी ने अतिथि स्वागत कर इस आयोजन की महत्वता को रेखांकित करते हुए बताया की वन्य जीव और वन्य सम्पदा को अक्षुण बनाकर हम आने वाली पीढ़ीयों को एक धरोहर और सभ्यता दे सकते है क्र महाविद्यालय के संयोजक वी सी डागा ने बताया की प्रकृति पर जितना अधिकार मानव का है उतना ही वन्यजीवो का है क्रइस आयोजन की मुख्य वक्ता एवं निर्णायक प्रोफ सुजाता माथुर ने वन्यजीवो के प्राकृतिक आवासो से छेड़ छाड़ को विनाशकारी बताते हुए इस दिशा में साझा योगदानो एवं समाधानो पर अपने विचार रख,सभी प्रतियोगियों की प्रस्तुति की सराहना की क्रउपप्राचार्य डॉ इंदु शर्मा ने बताया की इस तरह के आयोजन आम जनता को जागरूक बनाने हेतु भी होने चाहिए फिर साझा प्रयास द्वारा हम अपनी इस वन्य धरोहर को बचा सकते है क्र निर्णयक मंडल में शामिल डॉ स्वाति जैन ने विजेताओं के नामो की घोषणा कर उनकी होंसला अफजाई की क्रकार्यक्रम के संयोजक मंडल में डॉ सुनिता गजावत एवं डॉ विजय लक्ष्मी गुप्ता ने सफल आयोजन के लिये सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया क्रमंच संचालन राहुल चौधरी ने किया।

देश को मजबूत करने के लिए भाजपा सदस्यता अभियान के जरिए जन सामान्य को जोड़ेः चौधरी

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान प्रदेश भाजपा पंचायत राज प्रकोष्ठ का हटूंडी मुंडावर अलवर में कार्यक्रम जिला अध्यक्ष उमेद सिंह भाया कि अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रघुवीर सिंह चौधरी प्रदेश संयोजक पंचायत राज प्रकोष्ठ ने नए सदस्यों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि आप सब के पार्टी में जुड़ने से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मजबूत होंगे और भारत सुदृढ़ एवं विकसित राष्ट्र बनेगा। 2047 तक हम सब मिलकर देश को आत्मनिर्भर विकसित भारत बनाएंगे। मुख्य वक्ता प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी मोहन लाल शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत राज जन प्रतिनिधियों को आह्वान किया कि आप समाज के हर वर्ग और क्षेत्र से सीधा जुड़ाव रखतें हैं। सभी को साथ लेकर भाजपा से जोड़े और भाजपा सदस्य बनाए। कार्यक्रम के संयोजक धर्मवीर सम्मी चौधरी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो सदस्य बनाने का लक्ष्य जिले को दिया है। सभी कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर पुरा करेंगे। इससे पूर्व सैकड़ों की संख्या में युवाओं 2 किलोमीटर बाइक रैली निकालकर सदस्यता हेतु जन-जागरण कर अतिथियों का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान ईश्वर यादव, जिला महामंत्री महासिंह चौधरी, प्रदेश मिडिया प्रभारी एच एस परिड़वाल सहित अनेक पंचायत राज जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अनियंत्रित ट्रैलर पेड़ से टकराया, जान बची

संजीवनी टुडे

सराड़ा। उदयपुर-जयसमंद स्टेट मेगा हाईवे पर शनिवार सुबह भेड़ों को बचाने के प्रयास में एक ट्रैलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गया। गनीमत रही कि हादसे में चालक सहित दो जनों की जान बच गई। एक ट्रैलर उदयपुर से जयसमंद की ओर जा रहा था, तभी सुबह करीब दस बजे केवड़ा की नाल में सड़क पर भेड़ों को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गया। जहां हादसे में चालक सहित दो लोगों को हल्की चोटें आई हैं।

खबरें फटाफट

बीएन शिक्षा और फार्मेसी संकाय में गरबा महोत्सव का आयोजन

संजीवनी टुडे

उदयपुर। बीएन शिक्षा और फार्मेसी संकाय में नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष में गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जानकारी देते हुए शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो शशि चित्तौड़ा और बीएन आई पी एस के प्राचार्य डॉ चेतन चौहान ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ निरंजन नारायण सिंह राठौड़ द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। इसमें बेस्ट परफॉर्मर, बेस्ट ड्रेस और बेस्ट कपल को परितिषिक प्रदान किए गए। इस अवसर पर भूपाल नोबल्स संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष कर्नल प्रो शिव सिंह सारंगदेवोत, मंत्री डॉक्टर महेन्द्र सिंह अगरिया और प्रबन्ध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की।इसमें सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने किए प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन

संजीवनी टुडे

राजसमंद। कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने शनिवार को सुबह नाथद्वारा में प्रभु श्रीनाथजी के मंगला दर्शन किए। राज्यपाल ने भगवान श्रीनाथजी की आराधना कर देश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दर्शन के दौरान राज्यपाल श्री गहलोत ने मंदिर के पदाधिकारियों और अन्य अधिकारियों से चर्चा की तथा मंदिर की परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना की। इस अवसर पर मंदिर के प्रमुख अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंदिर पदाधिकारियों ने समाधान पद्धति से उनका सत्कार किया।

नाथद्वारा के कर्मचारि कॉलोनी में नवरात्रि महोत्सव के तहत एक कार्यक्रम स्थल पर गरबा नृत्य करतीं महिलाएं

संजीवनी टुडे

नाथद्वारा। शारदीय नवरात्री के तहत युवाओं सहित सभी वर्ग के लोगों का उत्साह अपने चरम पर है। नवरात्री पर शहर व आस-पास के ग्रामीण युवाओं में गरबा नृत्य करते रहने का जोश देर रात व कहीं-कहीं भोर तक चलता रहा। कर्मचारि कॉलोनी में गरबा नृत्य हुआ।

भ्रष्टाचार : थर्ड ग्रेड अध्यापक को अग्रिम जमानत नहीं

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भाई के साथ मिलकर आय से अधिक 3.27 करोड़ से अधिक की चल-अचल सम्पत्ति अर्जित करने में लिप्त थर्ड ग्रेड अध्यापक की अग्रिम जमानत अर्जी कोर्ट ने नामंजूर कर दी। एसीबी, डूंगरपुर ने 19 अप्रैल, 2006 को नवाडेरा, डूंगरपुर के राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेई बिछीवाड़ा में थर्ड ग्रेड अध्यापक देवीलाल पाटीदार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था। उसका भाई रामलाल पाटीदार बिछीवाड़ा पंचायत समिति में विकास अधिकारी था। रामलाल की चल-अचल संपत्ति की अनुमानित कीमत 3 करोड़ 27 लाख 37 हजार 225 रुपए मानी गई। रामलाल सहित उसके पिता धूलजी, माता पानूदेवी, पमी प्रेमिला देवी एवं मंजूदेवी के खिलाफ चालान पेश किया जा चुका है। विकास अधिकारी भाई की भी लिप्तता मिलने पर सक्षम अधिकारी से अभियोजन स्वीकृति जारी की गई। मामले में आरोपी देवीलाल पाटीदार ने गिरफ्तारी से बचने के लिए विशिष्ट न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रम-2 की अदालत में अग्रिम जमानत का प्रार्थना पत्र पेश किया। अभियोजन विभाग के सहायक निदेशक राकेश मित्तल ने तर्क दिया कि अभियुक्त ने गिरफ्तारी से बचने के लिए फर्जी तरीके से रिकार्ड इंद्राज करवाया। ऐसे गंभीर अपराध में आरोपी को अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाना न्यायोचित नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पीठासीन अधिकारी संदीप कौर ने अभियुक्त देवीलाल पाटीदार की अग्रिम जमानत अर्जी को नामंजूर कर दिया।

उदयपुर में लेपर्ड ने युवक पर किया अटैक: बाइक लेकर घर जा रहा था, नाखून लगने से बहने लगा खून

अब तक 9 को मारा

संजीवनी टुडे

उदयपुर । गोगुंदा तहसील में लेपर्ड के हमले लगातार जारी है। लेपर्ड जंगल और पहाड़ों पर सर्च टीम को भी चकमा दे रहा है। एक बार फिर शनिवार शाम करीब 6.30 बजे लेपर्ड ने एक युवक पर अटैक किया। लेपर्ड के नाखून लगने से युवक के हाथ से खून बहने लगा और टी-शर्ट फट गया। युवक ने गांव में जाकर लोगों को बताया तो दर्जनों लोग हाथों लाठी-डंडे लेकर हमले वाली जगह पर पहुंचे, लेकिन वहां लेपर्ड नहीं दिखा। इससे पहले शुक्रवार रात को भी आदमखोर ने सायरा वन रेंज के पास ढोल गांव में दो अटैक किए। सड़क किनारे छुपे लेपर्ड ने एक बाइक सवार का 200 मीटर तक पीछा किया।

युवक ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। वहीं, आदमखोर एक घर में भी घुस गया। यहां उसने गायों पर हमला किया। 8 सितंबर से गोगुंदा और झाड़ोल एरिया के 4 से ज्यादा गांवों में लेपर्ड हमले कर रहा है। बीते 27 दिन में वो 9 लोगों को मार चुका है। अब तक वन विभाग की टीमें उसे पकड़ने में नाकाम रही हैं। आदमखोर को पकड़ने या मारने के लिए जंगलों में 12 शूटर्स मौजूद हैं। जंगलों व पहाड़ों पर वन विभाग की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी लेपर्ड की तलाश में जुटी है। लेपर्ड का नाखून लगने से हाथ से बहने लगा खून गोगुंदा ब्लॉक की पाटिया ग्राम पंचायत के भारोड़ी गांव में मेघवाल बस्ती के पास बाइक लेकर घर जा रहे दिनेश (20) पुत्र वनाराम मेघवाल पर लेपर्ड ने हमला कर दिया। लेपर्ड के नाखून लगने से दिनेश के हाथ से खून बहने लगा और टीशर्ट फट गया। उसने गांव में जाकर लोगों को बताया तो दर्जनों लोग लाठी-डंडे लेकर हमले वाली जगह पर पहुंचे, लेकिन वहां लेपर्ड नहीं दिखा।

अचानक बाइक के सामने आया लेपर्ड सरदारपुरा गांव निवासी कालू सिंह ने बताया कि वो शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे घर लौट रहे थे।

ढोल गांव के सरकारी स्कूल से करीब एक किलोमीटर आगे अचानक लेपर्ड उनकी बाइक के आगे आ गया। उन्होंने तुरंत बाइक की स्पीड बढ़ा दी। लेपर्ड ने उन पर हमला करने की कोशिश की और कुछ दूरी तक पीछा भी किया। ढोल गांव में ही बस स्टैंड के पास शुक्रवार रात करीब ढाई बजे लेपर्ड गांव में घुस गया। यहां उसने ग्रामीण पन्ना गिरी के बाड़े में बंधी गायों पर हमला कर दिया। लेपर्ड के आने के दौरान गायों की आवाज से परिवार के सदस्य जाग गए और बाड़े की तरफ लाठियां लेकर दौड़े। इसके बाद लेपर्ड वहां से भाग गया। ईआरटी टीम जंगल में कर रही है सर्च इधर वन विभाग की इमरजेंसी रिस्पांस टीम (क्टट्ठ) भी जंगल में सर्च कर रही है। सीसीएफ (वाइल्ड लाइफ) जयपुर टी. मोहन राज, सरिस्का के फील्ड डायरेक्टर संग्राम सिंह और कोटा के रामगढ़ विषधारी अभयारण्य के डीसीएफ संजीव शर्मा की टीम ने लेपर्ड को ट्रैंकुलाइज करने का नया प्लान बनाया है। टीम ने हमले की लोकेशन को लेकर भी पूरी जानकारी ली।

बाइक की हेड लाइट की रोशनी में लेपर्ड दिखा। वह मेरे काफी पास आ गया था। बाइक पर भागकर अपनी जान बचाई।

कालू सिंह
सरदारपुरा गांव

हुंडई कार से 70 किलो 300 ग्राम अवैध डोडाचूरा व एक पिस्टल मय सात राउण्ड मैगजीन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग डिटेन

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले की सदर चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस ने हाईवे रोड पर नाकाबन्दी के दौरान 70 किलो 300 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा एवं एक पिस्टल मय सात राउण्ड मैगजीन जब्त किया है। पुलिस ने एस्कोर्ट करती हुयी हुण्डई आई 10 व घटना मे प्रयुक्त हुण्डई आई 20 कार जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार व एक नाबालिग को डिटेन किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड कार्यवाही के लिए एएसपी परबत सिह, वृताधिकारी शहर चित्तौड़गढ़ तेज कुमार पाठक के निर्देशन व थानाधिकारी सदर चितौडगढ गजेन्द्र सिह पु.नि. के सुपरविजन मे थाना सदर चितौडगढ से उप निरीक्षक महेन्द्र सिह व पुलिस जाप्ता हैड कानि. सुरेंद्र सिंह, कानि. हेमब्रत सिंह, बलवंत सिंह, भजन लाल, विनोद कुमार, डुंगर सिंह व मुकेश कुमार द्वारा थाना क्षेत्र में हाइवे पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान कोटा, नीमच की तरफ से एक सफ़ेद रंग की आई-10 कार आई जिसको रुकवाया गया तो कार चालक द्वारा अपनी कार को नाकाबन्दी स्थान के पास लाकर धीरे कर व तुरन्त ही कार की गति बढाकर नाकाबन्दी

तोडकर भगाने का प्रयास किया जिसको पुलिस जाप्ता द्वारा बेरिकेट लगाकर रोका गया। कार मे दो व्यक्ति बैठे हुये थे। जो पुलिस जाप्ता को देखकर घबरा गये। इसी दौरान पीछे-पीछे एक सफ़ेद रंग की आई-20 कार आयी जो पुलिस जाप्ता चैकिग को देखकर वापस घुमाने लगा जिसको भी पुलिस जाप्ता द्वारा तत्परता दिखाते हुये बड़ी मुश्किल से कार को रोका। उसके बाद दोनो कारो की तलाशी ली गयी तो आई-10 कार में कोई आपतिजनक वस्तु नही मिली वहीं आई-20 कार की तलाशी ली गयी तो चालक कपिल धाकड की पेन्ट की जेब मे एक पिस्टल मय सात राउण्ड व कार के अंदर चार कटटो मे कुल 70 किलो 300 ग्राम अवैध डोडाचूरा मिला जिसको जब्त कर दोनो आरोपी कनेरा जिला चित्तौड़गढ़ निवासी सुनिल सुथार उर्फ सोनु सुथार पुत्र गोपाल सुथार व कपिल धाकड पुत्र रामेश्वरलाल धाकड को गिरफ्तार व एक नाबालिग को डिटेन किया गया।

पीएमश्री बालिका विद्यालय में कला उत्सव में बालिकाओं ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

संजीवनी टुडे

सादड़ी। स्थानीय पीएम श्री श्रीधनराज बदामिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सादड़ी में प्रधानाचार्य विजय सिंह माली के सानिध्य तथा कविता कंवर के निर्देशन में कला उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 9से 12की बालिकाओं ने भाग लेकर शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया।

उप प्राचार्य स्नेहलता गोस्वामी ने बताया कि कविता कंवर के निर्देशन में चित्रकला, मूर्ति शिल्प,एकल गीत,एकल नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बालिकाओं ने शानदार प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया।मधु गोस्वामी, मनीषा सोलंकी व मनीषा ओझा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।इस अवसर पर प्रधानाचार्य विजय सिंह माली ने कला को सत्यम

शिवम सुंदरम की अभिव्यक्ति बताते हुए जीवन के लिए आवश्यक बताया तथा कहा कि कला हमें प्रसन्नता, आनंद व सुख देती है।उन्होंने सभी से किसी एक कला में रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया।माली ने कला उत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को पारितोषिक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कविता कंवर ने आभार व्यक्त किया।मंच संचालन प्रकाश कुमार शिशोदिया ने किया।इस अवसर पर महावीर प्रसाद, कन्हैयालाल, वीरमराम चौधरी, रमेश सिंह राजपुरोहित, रमेश कुमार वछेटा, गजेंद्र सिंह समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि विद्यालय स्तरीय कला उत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाएं जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।

पीएमश्री बालिका विद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आसाम राज्य के महापुरुषों की दी जानकारी

संजीवनी टुडे

सादड़ी। स्थानीय पीएम श्री श्रीधनराज बदामिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सादड़ी में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत प्रधानाचार्य विजय सिंह माली ने असम राज्य की परिचयात्मक जानकारी दी तथा वहां के महापुरुषों के व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला। उप प्राचार्य स्नेहलता गोस्वामी ने बताया कि प्रधानाचार्य विजय सिंह माली ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना तथा असम की भौगोलिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक जानकारी दी। उन्होंने असम के दर्शनीय तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम के महापुरुषों शंकर देव,लाचित बडफुकन,भारत रत्न गोपीनाथ बोरदोलोई तथा भूपेन हजारिका को राष्ट्रीय एकात्मकता का संवाहक बताया। इस अवसर पर कन्हैयालाल ने एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान की गतिविधियों की जानकारी दी।मंच संचालन प्रकाश कुमार शिशोदिया ने किया।इस अवसर पर मधु गोस्वामी महावीर प्रसाद मनीषा ओझा कविता कंवर वीरमराम चौधरी रमेश सिंह राजपुरोहित मनीषा सोलंकी रमेश कुमार वछेटा सुशीला सोनी गजेन्द्र सिंह समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत राजस्थान व असम राज्य एक दूसरे के साथ सांस्कृतिक संवाद व विरासत का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

त्यौहारों को लेकर मुस्तैद है राजसमंद प्रशासन

शांतिपूर्ण संपन्न हो सभी त्यौहार, निरंतर मॉनिटरिंग करें, निगरानी में कोई कोताही न रहे : जिला कलक्टर

संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री बालमुकुंद असावा की अध्यक्षता में शनिवार सुबह उनके कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एसपी श्री मनीष त्रिपाठी, एडीएम श्री नरेश बुनकर, एएसपी श्री महेंद्र पारीक सहित जिला पुलिस और प्रशासन के कई वरिष्ठ मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य नवरात्रि, दशहरा और दीपावली आदि प्रमुख त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने के साथ-साथ जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना था। जिला कलक्टर श्री असावा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी त्योहारों के दौरान निरंतर मॉनिटरिंग और चौकसी बनाए रखें, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहें और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करें। जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि संवेदनशील स्थानों पर नजर बनाए रखें, आवश्यक सुरक्षा उपायों को लागू करें और सद्भावना समूह बनाएं ताकि सभी त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें। बैठक के दौरान

जिला कलक्टर ने हाल ही में राजनगर क्षेत्र में घटित घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस विभाग को नाबालिग बाइकर्स के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के साथ ही हर थाना क्षेत्र में शांति समिति, सीएलजी की बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा शहर के प्रवेश बिंदुओं पर गाड़ियों की चेकिंग और रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जोर देते हुए कहा कि रात्रि गश्त के दौरान पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी साथ जाएं और स्वयं भी सतर्क रहते हुए फील्ड की मॉनिटरिंग करें। कलक्टर ने विवादित स्थलों की वीडियोग्राफी करवाने पर भी जोर दिया। इसके अलावा राजसमंद झील में अवैध मत्स्याखेट रोकने के भी निर्देश दिए गए। नगर परिषद को शहर से अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापार संघ और दुकानदारों के साथ बैठक आयोजित करने और पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। शहर में पार्किंग स्थलों की पहचान कर वहां व्यवस्था सुनिश्चित करने, खराब और कंडम पड़ी गाड़ियों को हटाने और संवेदनशील व प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। नगर क्षेत्र में बिना अनुमति के किए जा रहे निर्माण कार्यों को रोकने के साथ ही ब्लैकस्पॉट पर उचित लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के अंतर्गत बैठक आयोजित

संजीवनी टुडे

पाली। उपनिदेशक महिला अधिकारिता विभाग पाली में शुक्रवार को साथिन बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के तहत कौशल विकास के महत्व, आत्मरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, बालिका जन्मोत्सव आदि जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। उपनिदेशक भागीरथ ने समस्त साथिनो को अन्तराष्ट्रीय बालिका दिवस अन्तर्गत बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान के तहत बताया कि जिले में 02 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक जिला, ब्लॉक एवं ग्रामीण स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढाओं के अन्तर्गत बालिकाओं के बीच कौशल विकास के महत्व पर विशेष महिला सथा का आयोजन करना, आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रश्न उत्तरी प्रतियोगिता करना एवं जिला स्तर ब्लॉक स्तर एवं ग्रामिण स्तर पर बालिका जन्मोत्सव मनाते हुए लैगिंक असमान्ता के बारे में जागरूकता कार्यक्रम करने को कहा गया। इसके साथ ही जिला हब एम्पावरमेन्ट ऑफ वूमन से जेण्डर स्पेशलिस्ट राजश्री द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढाओं की शपथ दिलाई गई। इस बैठक में सुपरवाईजर मधु, इन्दुबाला, मंजु सोनी एवं 22 साथिन उपस्थित रही। इन्दिरा महिला शक्ति केन्द्र प्रबन्ध प्रियंका द्वारा सामाजिक सप्ताह के बारे में जानकारी दी।

जिला चित्तौड़गढ़ की कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का परिणाम घोषित

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिला चित्तौड़गढ़ की कॉन्स्टेबल सामान्य भर्ती 2023 हेतु आयोजित शारिरिक दक्षता व कम्प्यूटर आधारित (सीबीटी) परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का परिणाम घोषित हो गया है। सफल अभ्यर्थी पुलिस विभाग की वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकेंगे। सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति से पूर्व बायोमेट्रिक सत्यापन, मेडिकल बोर्ड से स्वास्थ्य परीक्षण, मूल दस्तावेजो के सत्यापन आदि की औपचारिकतायें 14 अक्टूबर को पुलिस लाईन चित्तौड़गढ़ में की जाएंगी।

पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर की विज्ञप्ति द्वारा जिला चित्तौड़गढ़ की 120 पदों की कांस्टेबल सामान्य भर्ती 2023 हेतु आयोजित शारिरिक दक्षता, कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) परीक्षा एवं विशेष योग्यता के अंकों को सम्मिलित करते हुए सफल रहे 102 अभ्यार्थियों का चयन किया गया। जिसका वर्गवार प्रोविजनल परीक्षा परिणाम पुलिस विभाग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। सफल अभ्यर्थियों के रोल नंबर की सूची पुलिसअधीक्षक कार्यालय एवं पुलिस लाइन चित्तौड़गढ़ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। अभ्यर्थी अपना परीक्षा परिणाम राजस्थान पुलिस विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन देख सकते हैं। चयन सूची पर अंकित चयनित अभ्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि कॉस्टेबल सामान्य पद पर नियुक्ति हेतु मेडिकल बोर्ड से स्वास्थ्य परीक्षण, समस्त मूल दस्तावेज की जाँच एवं बायोमेट्रिक मिलान दिनांक 14 अक्टूबर 2024 को प्रातः 07.00 बजे रिर्जव पुलिस लाईन जिला चित्तौडगढ में की जानी है।

अतः प्रकाशित विज्ञाप्ति संख्या 3346 दिनांक 03.08.2024 की बिन्दू संख्या 14 में वर्णितानुसार समस्त मूल प्रमाण पत्र व इनकी 01-01 फोटो प्रति स्वयं प्रमाणित की हुई व हाल ही में खीचें गये पासपोर्ट साईज के 08 रंगीन फोटो कार्मिक विभाग की अधिसूचना कमांक एफ-7 (1) डीओपी / ए-क्रक्र / 2019 दिनांक 20.10.2019 के कम में आर्थिक पिछड़ा वर्ग अभ्यार्थियों का आवेदन वर्ष से पूर्व के एक वित्तीय वर्ष अर्थात वर्ष 2022-23 आय का ऑन लाईन जारी प्रमाण पत्र, विवाहित होने पर विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र अन्तिम शिक्षा ग्रहण करने वाले शैक्षणिक संस्थान द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र, दो राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र (छः माह से अधिक पुराने न हो एवं रिश्तेदार द्वारा जारी किया हुआ न हो) दो फोटो पहचान पत्र विशेष योग्यता प्रमाण पत्र (एन.सी.सी. / होमगार्ड / डिप्लोमा), दहेज नहीं लेने सम्बन्धी शपथ पत्र, विवाहित हो तो दिनांक 01.06.2002 के पश्चात दो से अधिक संतान नहीं होने संबंधी शपथ पत्र एक से अधिक जीवित पति / पत्नी नहीं होने संबंधी शपथ पत्र आपराधिक गतिविधियों में सम्मिलित नहीं होने या सजायाफता नहीं होने के सम्बन्ध में घोषणा पत्र, भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में एन.ओ.सी. / डिस्चार्ज प्रमाण पत्र / पेंशनर प्रमाण पत्र (पीपीओ की प्रति) विधवा के मामले में अपने पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, तलाक शुदा होने की स्थिति में विवाह विच्छेद का दस्तावेज (न्यायालय की डिकी), धुमपान / तम्बाकू सेवन नहीं करने का शपथ पत्र आदि समस्त प्रमाण पत्रों सहित एवं आवश्यक तैयारी के साथ दिनांक 14 अक्टूबर 2024 को प्रातः 07.00 बजे तक रिजर्व पुलिस लाईन चित्तौडगढ में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अभ्यार्थियों को इस संबंध में किसी प्रकार का मानदेय देय नहीं होगा। अभ्यार्थियों का उपस्थित देने के उपरांत बायोमेट्रिक सत्यापन एवं स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। सभी अभ्यार्थीगण स्वास्थ्य परीक्षण तक रुकने की आवश्यक तैयारी के साथ आयेगें।

चौकडी गांव में कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं: ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

संजीवनी टुडे

राजसमंद। कलेक्टर बाल मुकुंद असावा ने चोकडी गांव में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनी, इस दौरान कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को समस्या समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बडी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया व अपनी समस्याओं को कलेक्टर को सुनाई। कलेक्टर असावा ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का त्वरित और न्यायपूर्ण समाधान हो। कार्यक्रम के दौरान सरकारी योजनाओं और सेवाओं के बारे में भी जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए।

जनसुनवाई में मुख्य रूप से पेयजल समस्या, सड़क निर्माण, बिजली आपूर्ति, पेंशन सहित सामाजिक योजनाओं से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। कलेक्टर ने इन सभी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनसाधारण की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करना है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य सुचारु रूप से चल सके।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

जलवायु परिवर्तन समस्या के खिलाफ भारत जैसे गंभीर कदम बाकी देश भी उठाएं

जलवायु परिवर्तन पर हुए पेरिस समझौते के अन्तर्गत, संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य देश इस बात पर राज़ी हुए थे कि इस सदी के दौरान वातावरण में तापमान में वृद्धि की दर को केवल 2 डिग्री सेल्सियस तक अथवा यदि सम्भव हो तो इससे भी कम अर्थात 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रोक रखने के प्रयास करेंगे। उक्त समझौते पर समस्त सदस्य देशों ने, वर्ष 2015 में हस्ताक्षर किए थे। परंतु सदस्य देश, इस समझौते को लागू करने की ओर कुछ कार्य करते दिखाई नहीं दे रहे हैं। इसी कारण को ध्यान में रखते हुए एवं सदस्य देशों से यह उम्मीद करते हुए कि वे जलवायु परिवर्तन सम्बंधी अपने वर्तमान लक्ष्यों को और अधिक बढ़ाने की घोषणा करेंगे, संयुक्त राष्ट्र संघ ने जलवायु परिवर्तन पर एक शिखर सम्मेलन का आयोजन अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में दिनांक 23 सितम्बर 2019 को किया। इस सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत नवी ऊर्जा उत्पादन सम्बंधी अपने वर्तमान लक्ष्य 175 ग्व्ड को दुगने से भी अधिक बढ़ाकर 450 ग्व्ड करने का नया लक्ष्य निर्धारित करता है। माननीय प्रधान मंत्री महोदय ने सभी सदस्य देशों का आह्वान किया कि जलवायु परिवर्तन सम्बंधी समस्या पर अपनी सोच में व्यावहारिक परिवर्तन लाएँ एवं इसे एक जन आंदोलन का रूप दें।

कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाये तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएँगे। साथ ही, चीन के शाँघाई, शाँटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी ज़मीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जारी एक प्रतिवेदन के अनुसार, दुनिया में बढ़ते तापमान का विश्व की अर्थव्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव हो रहा है। पिछले 20 वर्षों के दौरान जलवायु सम्बंधी आपदाओं के कारण भारत को 7,950 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक़सान हुआ है। जलवायु सम्बंधी आपदाओं के चलते वर्ष 1998-2017 के दौरान, पूरे विश्व में 290,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक़सान हुआ है। सबसे ज़्यादा नुक़सान अमेरिका, चीन, जापान, भारत जैसे देशों को हुआ है। बाढ़ एवं समुद्री तूफ़ान, बार-बार घटित होने वाली दो मुख्य आपदाएँ पाई गईं हैं। उक्त अवधि के दौरान, उक्त आपदाओं के कारण 13 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई एवं कुल मिलाकर 440 करोड़ लोग इन आपदाओं से प्रभावित हुए हैं। उक्त वर्णित आँकड़ों से स्थिति की भयावहता का पता चलता है। अतः यदि हम अभी भी नहीं चेते तो आगे आने वाले कुछ समय में इस पृथ्वी का विनाश निश्चित है। जलवायु परिवर्तन की समस्या तो हम पिछले 50 सालों से महसूस कर रहे हैं, लेकिन पिछले 20-25 वर्षों से इस सम्बंध में केवल बातें ही की जा रही हैं, धरातल पर ठोस कार्यवाही कहीं कुछ भी दिखाई नहीं दे रही है। प्रथम विद्युत चलित कार अमेरिका में, आज से लगभग 50 वर्ष पूर्व चलाई गई थी, परंतु फिर भी आज हम जीवाश्म ईंधन पर ही निर्भर हैं। यदि इसी स्तर पर हम जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते रहे तो वह दिन ज़्यादा दूर नहीं जब हम पूरी पृथ्वी को ही जला देंगे। यहाँ यह प्रसन्नता का विषय है कि जी20 के सदस्य देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश पाया गया है, जो जलवायु परिवर्तन सम्बंधी किए गए अपने वायदों को निभाने की ओर संतोषप्रद रूप से कार्य करता दिख रहा है। यह आँकलन एक अंतरराष्ट्रीय मूल्याँकन संगठन द्वारा किया गया है। भारत तेज़ी से सौर ऊर्ज़ा एवं वायु ऊर्ज़ा की क्षमता विकसित कर रहा है। उज्ज्वला योजना एवं एलईडी बल्ब योजना के माध्यम से तो भारत पूरे विश्व को ऊर्ज़ा की दक्षता का पाठ सिखा रहा है। ई-मोबिलिटी के माध्यम से वाहन उद्योग को गैस मुक्त बनाया जा रहा है। बायो ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, पेट्रोल एवं डीज़ल में ईथनाल को मिलाया जा रहा है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, म, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

महान वीरांगना महारानी दुर्गावती की शौर्यगाथा

दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर सन 1524 को वर्तमान उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के कालिंजर के किले में अष्टमी के दिन हुआ था। इसीलिए उनका नाम दुर्गावती रखा गया। दुर्गावती के पिता कीर्तिसंह चंदेल कालिंजर के राजा थे। दुर्गावती नाम के अनुरूप ही तेज, चंचल, समझदार, साहसी, वीर, और बहुत सुन्दर थी। बचपन से ही वे तीर धनुष, तलवारबाजी और शिकार की शौकीन थी। अबुल फजल के अकबर नामा में लिखा है कि 'दुर्गावती बंदूक और तीर से निशाना लगाने में उम्दा थी और लगातार शिकार पर जाया करती थी'। युवावस्था तक आते-आते वे रणकौशल में निपूर्ण एक कुशल यौद्धा बन गयी थी। इकलौती संतान होने के कारण चंदेल वंश के राजपरिवार और उसके साम्राज्य की राजनैतिक और आर्थिक व्यवस्था की भी बहुत अच्छी जानकार थी। शिकार की शौकीन दुर्गावती की मुलाकात घने जंगल में दलपतशाह मंडावी से हुई। दलपत शाह गोंडवाना साम्राज्य के राजा संग्रामशाह मंडावी के पुत्र थे जो साहसी, होनहार, बेहद सुंदर थे। दुर्गावती दलपतशाह मंडावी के शौर्य और सौंदर्य पर मुग्ध हो गयी। इस कारण दुर्गावती ने दलपतशाह मंडावी से विवाह करने की बात अपने पिता राजा कीर्तिसंह चंदेल से स्वयं कही थी। गोंडवाना के गढमंडला के राजा संग्रामशाह मंडावी के 52 गढ़ और 57 परगनों के विशाल भू-भाग और अपार प्राकृतिक और भौतिक संपदा के भंडारों से प्रभावित होकर चंदेल वंश और गोंड आदिवासी साम्राज्य में वैवाहिक संबंध स्थापित हुआ। गोंडवाना साम्राज्य के राजा संग्रामशाह मडावी के पुत्र दलपत शाह के साथ दुर्गावती का विवाह संपन्न हुआ। दुर्गावती ने गोंड परंपराओं, रीति-रिवाजों और आदिवासी संस्कृति को आत्मसात किया, और गोंडवाना की कुलवधु कहलायी।

राजा संग्रामशाह ने 1478 में गढ़मंडला के सिंहासन का राजकाज सम्भाला था। उन्होंने बहुत लम्बें समय तक शासन किया और गढ़मंडला के साम्राज्य को विशाल और वैभवशाली विस्तार भी दिया। गढ़मंडला गंगा से दक्षिणी गोदावरी तक और महानदी के पश्चिमी घाटी तक के लगभग 20 हजार वर्गमील राज्य का भूभाग गोंडवाना के सबसे बडे साम्राज्य के रूप में प्रसिद्ध था इसके शासक राजा संग्रामशाह मंडावी की वीरता, बुद्धिमता, साहस, पराक्रम और वैभवशाली रूतबा आस-पास के राज-रजवाडों में चर्चा का प्रमुख विषय था। संग्रामशाह के पास प्राकृतिक संपदा के विशाल भू-भाग में हाथी वन के नाम से सफ़ेद हाथियों का एक प्रदेश था उनका जैसा वैभव किसी भी राजा के पास नहीं था। वे सवारी के लिए और युद्धों के लिए हाथियों का उपयोग करते थें। उन्होंने बहुत से युद्धों में उनकी कुशल सेना और हाथियों के कारण विजय प्राप्त की और साम्राज्य विस्तार का सबसे बड़ा कारण भी यही था।महाराजा संग्रामशाह ने गढ़मंडला के सिंहासन पर लगभग 63 साल तक राज किया। सन 1541 में संग्रामशाह ने अपने बड़े पुत्र को गढ़मंडला के उत्तराधिकारी के रूप में राजतिलक किया। 18 वर्षीय दुर्गावती का दलपत शाह के साथ विवाह सन 1542 में हुआ। वैवाहिक जीवन के साथ राजा दलपत शाह के राजकाज में दुर्गावती अपने चातुर्य और बुद्धिमता से बहुत बेहतरीन निर्णय देती थी। जल्द ही गोंडवाना के सबसे बडे राज गढ़मंडला के भौगोलिक, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक वैभव को और विस्तार मिलने लगा। विवाह के एक वर्ष पश्चात पुत्र रत्न प्राप्त हुआ। जिसका नाम वीरनारायण रखा गया। कालिंजर और गढ़मंडला का वैभव चारों दिशाओं में फैल रहा था। 1545 में दुर्गावती अपने पीहर कालिंजर परिजनों से मिलने आयी थी। उसी समय कालिंजर में शेरशाह सूरी ने आक्रमण कर दिया। जिसका मुकाबला चंदेल राजा कीर्तिसंह और उसकी सेना ने बडी बहादूरी से किया। कई दिनों तक युद्ध चला इसमें दोनों पक्षों की जनधन हानि हुई। शेरशाह सूरी गोला बारूद, तोप, बंदूक और भारी सैन्य बल के साथ कालिंजर पर हमला करता जा रहा था। इसमें राजा कीर्तिसंह गंभीर रूप से घायल हो गयें उसके विश्वसनीय मंत्री और गुप्तचरों ने उनका इलाज कराने के लिए कालिंजर किलें में पहुँचा दिया। सेना का मनोबल टूट रहा था।

सैकड़ों सैनिक इस युद्ध में मारे गये और हजारों सैनिक घायल हो गयें। इसकी सूचना दुर्गावती को मिली तो वे अपनी कुशलता से तत्काल ही मंत्री और गुप्तचरों से विशेष मंत्रणा की और सबको विशेष कार्यों के साथ लगा दिया। स्वयं दुर्गावती कालिंजर किले से शेरशाह सूरी की गतिविधियों को चौकस होकर निहारने लगी। किले के नीचे शेरशाह सूरी घेराबंदी कर चूका था। कालिंजर किलें को ध्वस्त करने के लिए घेराबंदी के साथ उसने स्वयं के नेतृत्व में बारूद की एक मोटी परत बिछवा दी। ऐसी विकट और दुविधामयी अवस्था में दुर्गावती ने तुरंत शेरशाह सूरी को संदेश भेजा कि कीर्तिसंह अब नही रहे अब मेरा शासन है मैं चाहती हूँ दोनों पक्षों की और जनधन हानि रोकी जाए। मैं आपकी अधीनता स्वीकार करती हूँ आप अपने सैनिक और युद्ध के साजों सामान किलें के आस-पास से हटा लें और एक संधिपत्र तैयार करें। शेरशाह सूरी ने तुरंत अपने वजीर से संधिपत्र बनाने का आदेश दिया और घायल और मृत सैनिकों को वहाँ से हटा दिया। गुप्तचरों ने दुर्गावती के कहे अनुसार बारूद की पट्टी पर पानी डलवा दिया और किले पर बड़ी-बड़ी पत्थर की शिलाएं और गर्म तेल, पानी तथा गोला-बारूद के साथ उचित सैन्य व्यवस्था की। शेरशाह सूरी भी षड़यंत्र रच रहा था। संधिपत्र के नाम पर वो समय लेकर किले को उड़ाने की कोशिश में था इस अंदेशे के लिए दुर्गावती चौकस थी। उसने अपनी कुछ सखियों के साथ मिलकर तीर धनुष के साथ धनुष की नोक पर बारूद लगी मशाल जलाकर वो किले के नीचे जहाँ शेरशाह सूरी खड़ा वही निशाना साधने लगी। शेरशाह सूरी बौखला गया और वहाँ से भागने की कौशिश करने लगा। तीर लगी मशालें बारूद पर जा पडी और भयानक विस्फोट हुआ जिससे शेरशाह सूरी वही पर ढ़ेर हो गया। हिंदुस्तान की सल्तनत पर राज करने वाले शेरशाह सूरी से सारे राजपूत रजवाड़े और हिंदु शासक थरथर कांपतें थे। ऐसे शासक को 22 मई, 1545 में एक 21 वर्षीय आदिवासी महिला ने अपनी सुझबुझ से उसे परास्त करके मौत की नींद सुला दिया। गढमंडला में लौटने पर दुर्गावती को पता चला की दलपतशाह गंभीर बीमार है। अनुभवी राजकीय चिकित्सकों से उनका इजाल करवाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन दलपत शाह की असमय मृत्यु हो गयी। उस समय उनके बेटे राजकुमार वीरनारायण 5 वर्ष के अबोध बालक थे और शासन चलाने के लिए कोई और योग्य उत्तराधिकारी भी नही था। दुर्गावती के विधवा होते ही पड़ौसी राजाओं की कुदृष्टि उनके वैभवशाली साम्राज्य पर पड़ने लगी। गढ़मंडला के वरिष्ठ, बुद्धिमान मंत्री व दिवान आधारसिंह एवं शुभचिंतकों से मंत्रणा करके दुर्गावती ने अपनी सुझ-बुझ के साथ 5 वर्षीय बालक वीर नारायण को गढ़मंडला की गद्दी पर बैठाया और स्वयं उसकी संरक्षिका बन कर विशाल साम्राज्य की देख-रेख करने की कमान अपने हाथों में संभाल ली। इसी दौरान शेरशाह सूरी के पौत्र बाज बहादुर (सुजान खाँ का पुत्र) 1556 में मालवा का शासक बना था। शासक बनते ही अपने पडौसी राज्य गढ़मंडला पर आक्रमण कर दिया। रानी दुर्गावती बेहद बुद्धिमान और चौकस थी उसे ऐसे अंदेशों की खबर पहले ही पता लग चुकी थी इसीलिए उसने अपने सैन्यबल को पूरी तैयारी के साथ लेकर जबरदस्त युद्ध किया। रानी दुर्गावती ने इस युद्ध में बाज बहादुर को धूल चटाई।

विचार बिन्दु

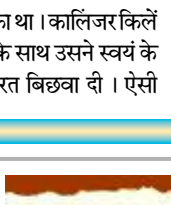

डॉ. हीरा मीणा

रानी दुर्गावती के रणकौशल और वीरता के डंकें आस-पास के सभी रजवाडों और रियासतों में होने लगें। उसके बाद बाज बहादुर ने फिर कई बार हमले किए लेकिन उसको हर बार रानी ने बुरी तरह शिकस्त परास्त किया था। रानी दुर्गावती ने अपने शासन काल में महल, किले, बावडिया, गढ़, कुए, पेनठाना, देवगुड़ी, सराय आदि का निर्माण करवाया। जनता की सुख-सुविधाओं का हमेशा ख्याल रखा। रानी की वीरता और रणकौशल के साथ गढमंडला की धनसंपदा पर मुगल शासक अकबर ललचाने लगा।

दुष्टों को मार भक्तों की रक्षा करती हैं मां कालरात्रि

नवरात्र में मां कालरात्रि की विशेष रूप से आराधना की जाती है। देवी को प्रसन्न करने के लिए जातक पूजा करते समय लाल, नीले या सफ़ेद रंग के कपड़े पहन सकते हैं। मां कालरात्रि की प्रातः काल सुबह चार से 6 बजे तक करनी चाहिए। दुर्गा के सातवें रूप को मां कालरात्रि के नाम से जाना जाता है। नवरात्र के सातवें दिन इनकी पूजा होती है। देवी कालरात्रि दुष्टों को मार कर भक्तों की रक्षा करती हैं, तो आइए हम आपको मां कालरात्रि की महिमा तथा पूजन विधि के बारे में बताते हैं।

नवरात्र के सातवें दिन साधक को अपना चित्त भानु चक्र में स्थिर कर पूजा करनी चाहिए। इसके लिए ब्रह्मांड की सभी सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं। देवी कालरात्रि को व्यापक रूप से माता देवी-भद्रकाली, काली, महाकाली, भैरवी, मृत्यु, रुद्राणी, चामुंडा, दुर्गा और चंडी कई नामों से जाना जाता है। रौद्री और धुमोरना देवी कालारात्री के अन्य नाम हैं। काली और कालरात्रि एक दूसरे के परिपूरक होती हैं। ऐसी मान्यता है कि देवी के इस रूप से सभी राक्षस, भूत, प्रेत, पिशाच और नकारात्मक ऊर्ज़ाओं का नाश होता है।

नवरात्र में मां कालरात्रि की विशेष रूप से आराधना की जाती है। देवी को प्रसन्न करने के लिए जातक पूजा करते समय लाल, नीले या सफ़ेद रंग के कपड़े पहन सकते हैं। मां कालरात्रि की प्रातः काल सुबह चार से 6 बजे तक करनी चाहिए। जीवन की कठिनाइयों को कम करने के लिए सात या सौ नींबू की माला देवी को अर्पित कर सकते हैं। सप्तमी की रात में तिल या सरसों के तेल की अखंड ज्योति जलाएं। इसके अलावा अर्गला स्तोत्रम, सिद्धकुंजिका स्तोत्र, काली चालीसा और काली पुराण का पाठ करना चाहिए। सप्तमी की पूरी रात दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। देवी कालरात्रि की पूजा करते समय इस बात का ध्यान रखें जिस स्थान पर मां कालरात्रि की मूर्ति है उसके नीचे काले रंग का साफ कपड़ा बिछा दें। देवी की पूजा करते समय चुनरी ओढ़ाकर सुहाग का सामान चढ़ाएं। इसके बाद मां कालरात्रि की मूर्ति के आगे दीप जलाएं।

देवी कालरात्रि ने राक्षसों के राजा रक्तबीज को मारने के लिए अवतार लिया था। मां की आराधना से घर में सुख-समृद्धि आती है। मां कालरात्रि का रूप भयानक है, लेकिन वह अपने भक्तों को शुभ फल देती हैं। देवी कालरात्रि को याद करने से राक्षस, दानव, दैत्य, भूत-प्रेत डरकर भाग जाते हैं। दुष्टों का दूर भगाने वाली मां कालरात्रि ग्रह बाधाओं को भी खत्म करती हैं। पौराणिक कथा के अनुसार शुंभ-निशुंभ और रक्तबीज नाम के राक्षसों ने तीनों लोकों में सबको दुखी किया था। परेशान होकर अंत में सभी देवता शिव जी के पास गए। शिव जी ने भक्तों की दशा देखकर देवी पार्वती को राक्षसों को मारने को कहा। शिव जी के आदेश पर पार्वती जी ने दुर्गा का रूप धारण किया और शुंभ-निशुंभ को मार दिया। लेकिन देवी दुर्गा ने रक्तबीज को जब मारा तो उसके शरीर से लाखो रक्तबीज पैदा हुए। इसे देखकर दुर्गा जी ने अपने तेज से कालरात्रि को उत्पन्न किया और जब दुर्गा जी ने रक्तबीज को मारा तो उसके शरीर से निकलने वाले रक्त को कालरात्रि ने अपने मुख में भर लिया। इसके बाद सबका गला काटते हुए रक्तबीज का वध कर दिया। मां कालरात्रि को प्रसन्न करने के लिए सप्तमी के दिन भगवती को गुड़ का नैवेद्य अर्पित करके ब्राह्मण को दान देना चाहिए। ऐसा करने से कोई दुख नहीं होता है।

06 अक्टूबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1499	फ्रांस के राजा लुईस ने मिलान पर कब्जा किया।
1723	बेंजामिन फ्रेंक्लिन 17 साल की उम्र में फिलाडेल्फिया पहुंचे।
1762	ब्रिटिश सैनिकों ने फिलीपींस के मनीला पर कब्जा किया।
1862	भारतीय दंड संहिता कानून पारित हुआ और एक जनवरी से लागू हुआ।
1919	तांबुलीस्की बुल्गारिया के प्रधानमंत्री बने।
1935	भारत में 32 साल के सबसे लंबे समय तक अंपायरिंग करने वाले जीवन डी घोष का बंगाल में जन्म हुआ।
1957	सोवियत संघ ने नोवाया ज़ेमल्या में परमाणु परीक्षण किया।
1972	मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरने से 208 लोगों की मौत।
1980	गुयाना ने संविधान को अंगीकार किया।
1981	काहिरा में सैनिक परेड के दौरान एक सैनिक समूह द्वारा मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की हत्या।
1983	पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाया गया।
1987	फिजी एक गणराज्य घोषित हुआ।
1994	यूनेस्को ने वर्ष 1995 को संयुक्त राष्ट्र सहिष्णुता वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की।
1995	दो स्विस वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौर व्यवस्था के बाहर गृह की पहली बार पहचान की।
2000	इस्त्रायली पुलिस द्वारा अलअक्सा मस्जिद में जबरन प्रवेश के बाद हिंसा शुरू, यूगोस्लाविया में रक्तहीन जनक्रान्ति के बीच राष्ट्रपति मिलोसेविच देश छोड़कर भागे, विपक्षी नेता कोस्तुनिका ने स्वयं को राष्ट्रपति घोषित किया।

बच्चों पर बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण हो

विचार बिन्दु

ललित गर्ग

वे अक्सर बच्चों के आस-पास रहने कोशिश करते हैं। वे ज्यादातर स्कूलों या ऐसी जगहों को चुनते हैं, जहां बच्चों का आना-जाना ज्यादा हो।

कोरोना काल के पूर्णबंदी के दौरान बाल विवाह, यौन शोषण, अपराध और ऑनलाइन दुव्र्यवहार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी दर्ज हुई। नए आंकड़ों के अनुसार पिछले साल रोज करीब साढ़े तीन सौ बच्चों के साथ आपराधिक घटनाएं घटीं। हालांकि अध्ययनकर्ताओं और राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो ने इसके पीछे बड़ी वजह कोरोना काल में हुई बंदी और कामकाज के ठप पड़ जाने, परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाने को माना है। बच्चें समाज में ही नहीं, अपने घरों में भी असुरक्षित है। बच्चों पर हो रहे अपराध एक सभ्य समाज पर बदनुमा दाग है। जबकि एक सभ्य समाज की पहचान इस बात से भी होती है कि उसमें बच्चों के साथ कैसा व्यवहार होता है, वे खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। इस दृष्टि से हम सदा से पिछड़े नजर आते रहे हैं। कहते हैं कि समाज में शिक्षा के प्रसार से हिंसा और अपराध जैसी घटनाएं स्वतः कम होने लगती हैं। भारत में शिक्षा की दर तो बढ़ रही है, मगर हिंसा और अपराध के मामले भी उसी अनुपात में बढ़े हुए दर्ज होते हैं, यह शिक्षा की विसंगति का ही परिणाम है। सबसे चिंता की बात है कि भारत में बच्चों के साथ हिंसक व्यवहार, यौन अत्याचार एवं उनके अधिकारों के हनन पर अंकुश नहीं लग पा रहा, जो चिन्ताजनक होने के साथ शासन-व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। हाल ही में स्कूल ऑफ बिजनेस में सैंटर फॉर इनोवेशन एटरप्रेन्योरशिप की मदद से एक सर्वे ऑनलाइन शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिये किया गया था। इस सर्वे में समभागी बने लोगों में से 93 फीसदी लोगों ने यही माना है कि ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों के सीखने और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पर बुरा प्रभाव पड़ा है, घरों में कैद होकर भी वे ऑनलाइन अपराधों के शिकार हुए, उनमें मानसिक विकृतियां पनपी। इससे बच्चों पर नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी पड़ा, जिससे उनकी सुप्त शक्तियों का जागरण एवं जागृत शक्तियों का संरक्षण एवं संवर्धन अवरूद्ध हुआ है। बच्चों के समग्र विकास की संभावनाओं का प्रकटीकरण रूका है। लाखों छात्रों के लिए स्कूलों का बंद होना उनकी शिक्षा में अस्थाई व्यवधान बना है जिसके दूरगामी प्रभाव का आकलन धीरे-धीरे सामने आने लगा है। बच्चों का शिक्षा से मोहभंग हो गया। बच्चें अपराध एवं यौन शोषण के शिकार हुए है। ये स्थितियां गंभीर एवं घातक होने के साथ चुनौतीपूर्ण बनी है। सत्य को ढका जाता है या नंगा किया जाता है पर स्वीकारा नहीं जाता। और जो सत्य के दीपक को पीछे रखते हैं वे मार्ग में अपनी ही छाया डालते हैं। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के संबंध में ऐसा ही देखने को मिला है।

भले ही ताजा आंकड़ों में पहले की तुलना में आपराधिक मामलों में कुछ कमी दर्ज हुई है, मगर वह संतोषजनक नहीं है। कई मामलों में बच्चों के साथ दुव्र्यवहार की घटनाएं बढ़ी हैं। मनोचिकित्सक अरुणा ब्रूटा के अनुसार, ल्लबच्चों के साथ यौन शोषण करने वाले लोग सेक्शुअल डिसऑर्डर का शिकार होते हैं। उन्हें बच्चों के यौन शोषण से मज़ा मिलता है और अपनी इन हरकतों का सबूत मिटाने के लिए वे बच्चों की हत्या तक कर देते हैं।ल्ल बच्चों को टारगेट करने वाले लोगों को पीडोफाइल कहा जाता है। इनका रुझान शुरू से बच्चों की तरफ़ होता है। वे वयस्कों के बजाय बच्चों को देखकर उत्तेजित होते हैं। ऐसे ही बीमार मानसिकता के लोगों ने पूर्णबंदी के दौरान बच्चों पर विकृत मानसिकता के हमले जहां-जैसे मौके मिले किये। जब कल-कारखाने बंद रहने और उसके बाद भी बहुत सारे रोजगार सुचारुरूप से बहुत दिनों तक नहीं चल पाने की स्थिति में बच्चों के साथ काम की जगहों पर दुव्र्यवहार की घटनाएं नहीं होने पाईं, इसलिए आंकड़े पहले की तुलना में कुछ घटे हुए दर्ज हुए। बंदी की वजह से बच्चों को घरों में बंद रहने पर मजबूर होना पड़ा था, ऐसे में उनके माता-पिता का अनुशासन और हिंसक व्यवहार कुछ अधिक देखा गया। यह खुलासा बंदी के दौरान हुए अन्य अध्ययनों से हो चुका है। ऐसे में बाल अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्थाओं और सरकारी महकमों के लिए यह चुनौती बनी हुई है कि इस पर कैसे काबू पाया जाए। यों बाल अपराध, बाल अधिकारों के हनन, बेवजह प्रताड़ना, बाल मजदूरी, यौन शोषण आदि के खिलाफ कड़े कानून हैं, मगर उनका कितना पालन हो पा रहा है, इसका अंदाजा ताजा आंकड़ों से लगाया जा सकता है। बच्चों के खिलाफ आपराधिक घटनाओं के मामले में मध्यप्रदेश अव्वल है, फिर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार हैं।पीडोफाइल ख़ास योजना के तहत बच्चों पर अपराधों को अंजाम देते हैं।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

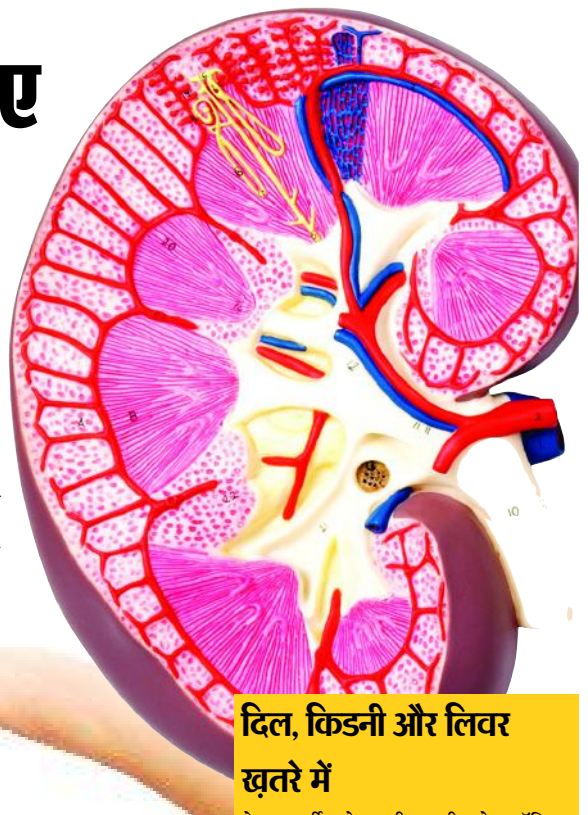

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

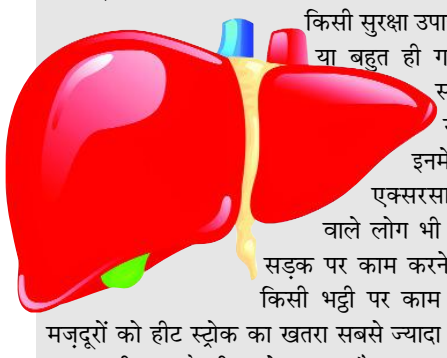

एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

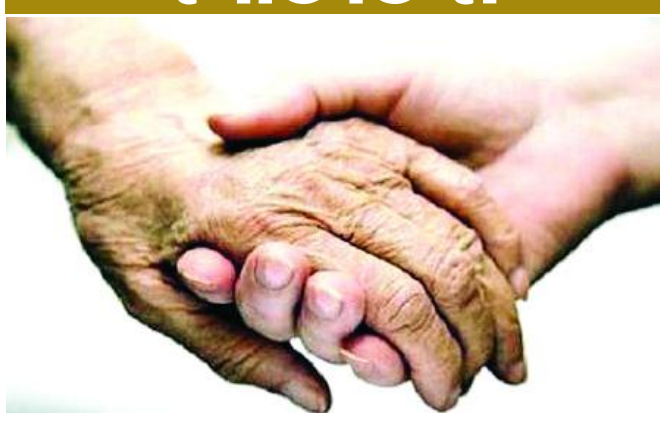

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

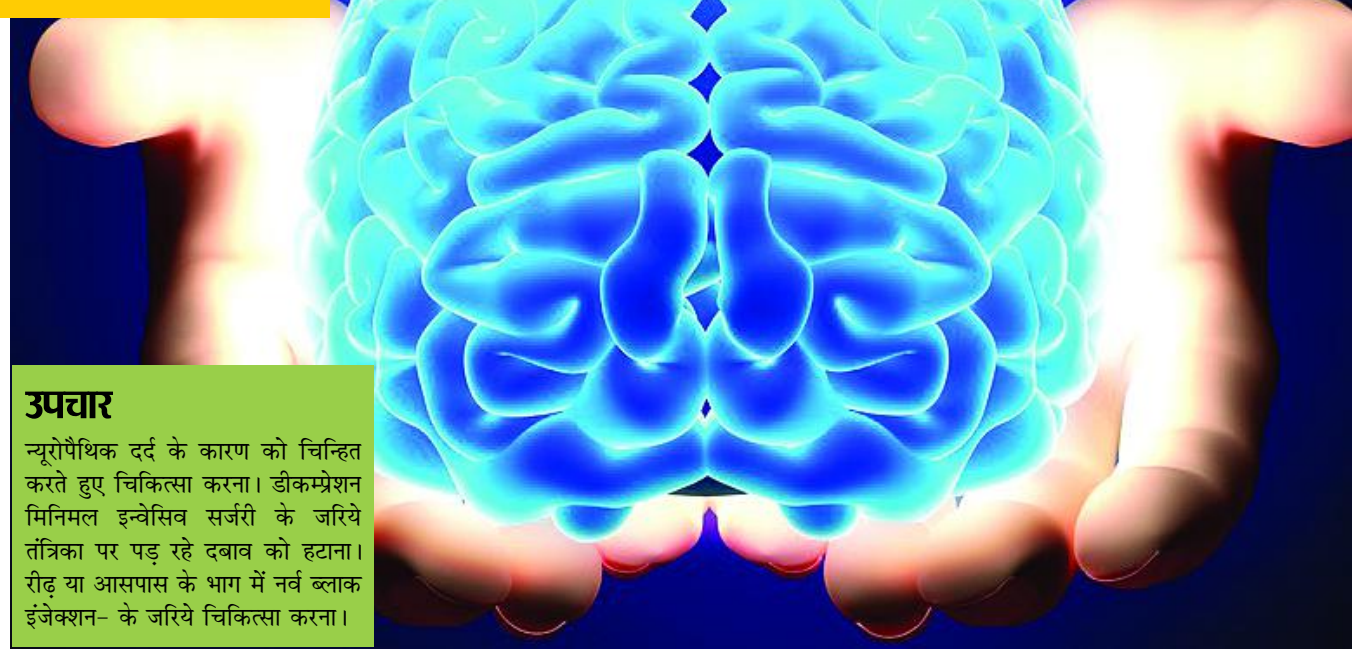

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

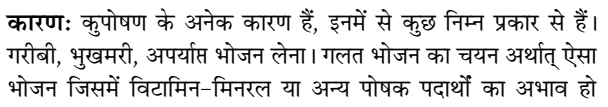

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

'बेबी जॉन' में पुलिस अधिकारी बनेंगे सल्लू

मुंबई। वरुण धवन की एक्शन फिल्म 'बेबी जॉन' इस साल की सबसे ज्यादा प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अभिनेता को जबर्दस्त एक्शन सीन्स करते हुए देखा जाएगा। हाल ही में खबर आई थी कि सुपरस्टार सलमान खान कलीज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में भी नजर आएंगे। सलमान 'बेबी जॉन' में कैमियो रोल में नजर आएंगे। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए काफी अहम होगा। सलमान खान 'बेबी जॉन' में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

लाइफ Style

मदालसा

कास्टिंग काउच का शिकार होने वाली थी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अभिनेत्री मदालसा शर्मा ने अपने शो 'अनुपमा' को अलविदा कह दिया है। इस शो में वह काव्या का किरदार निभा रही थीं। हाल ही में मदालसा शर्मा ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का शिकार होने की बात कही।

मदालसा ने कहा कि सिनेमा की दुनिया में कई कलाकारों को दबाव का सामना करना पड़ता है। खासकर तब, जब वो सिनेमा की दुनिया में अपने करियर की शुरुआत करते हैं। मदालसा ने अपने साथ हुए इस घटना के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'लोग बहुत ही सामान्य थे। उनको लगता था कि इस बारे बात कर सकते हैं। इसका पहला उदाहरण है कि अगर कोई बड़ा निर्माता या निर्देशक आपके साथ मीटिंग कर रहा है तो पहला सवाल आता है कि शाम को क्या कर रही हो? डिनर पर मिलते हैं। जब मैंने इस करियर में शुरुआत की तो पता लगा कि यह सब कैसे शुरू होता है। मेरी मीटिंग अच्छी रही थी, इसके बाद उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि डिनर पर मिलते हैं और एक दूसरे को जानते हैं'। मुझे मालूम था कि इस तरह की मीटिंग ठीक नहीं रहती हैं, तो अपने अनुभव और अपनी मां की वजह से मैं इसका शिकार होने से बच गई। मदालसा ने कहा कि मेरी मां का मेरे जीवन में काफी प्रभाव रहा है। मुझे कौन सी फिल्में करनी है, कौन सी फिल्में नहीं करनी हैं। इन सभी बातों के होने के बाद में मैं चीजों को लेकर काफी सिलेक्ट हो गई थी। मुझे किन लोगों से मिलना है किन लोगों से नहीं, इस बारे में समझ लेती थी।

हॉलीवुड मसाला

बेच रहीं 66 साल पुरानी गाड़ी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्ट्रेस एंजेलिना जोली के पास 66 साल पुरानी गाड़ी फेरारी 250 जीटी है, जिसे बेचने का मन उन्होंने बना लिया है। अब एंजेलिना जोली अपनी गाड़ी नीलामी में बेच रही हैं और ये कार 14, 16 और 20 नवंबर को पेरिस में क्रिस्टी के शोरूम में उपलब्ध होगी। एंजेलिना जोली 1958 फेरारी 250 जीटी की मालकिन हैं, जिसका कोचवर्क पिनिनफेरिना एसपीए ने तैयार किया है। बिक्री कैटलॉग के अनुसार, वायर-स्पोक वाली फेरारी 1955 से 1960 तक बनती थी और ये 11वां मॉडल है।

माइक को कभी धोखा नहीं दिया : गिवेंस

लॉस एंजिल्स। साल 2013 में माइक टायसन ने अपनी बायोग्राफी पब्लिश की थी। इस किताब में उन्होंने ब्रैड पिट को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने अपनी किताब में बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी गिवेंस और ब्रैड पिट को एक साथ बेड में पकड़ा था। जब माइक ने दोनों को एक साथ देखा था तो उसके कुछ दिन बाद ही गिवेंस के साथ उनका तलाक होने वाला था। हालांकि, गिवेंस ने माइक के इस दावे को झूठा बताया है। उन्होंने हमेशा ही इस बात से इनकार किया है कि उन्होंने शादी में रहते कभी भी माइक को धोखा दिया है। 60 साल के ब्रैड पिट की बात करें तो जेनिफर एनिस्टन और एंजेलिना जोली से उनके रिश्ते नहीं चल सके और उनका तलाक हो गया। इस साल ये भी खबर आ रही थी कि वो अपनी गर्लफ्रेंड इनेस डी रामोन से तीसरी शादी कर सकते हैं।

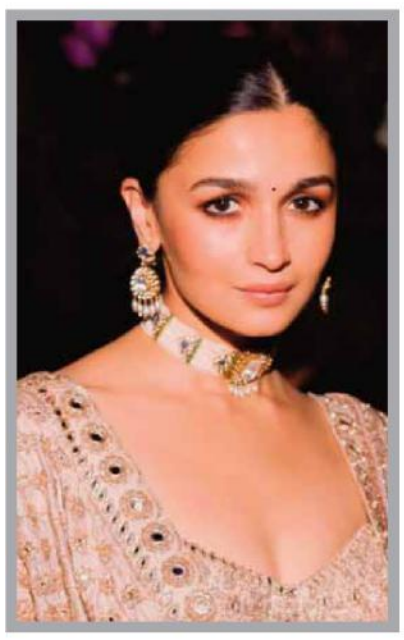

एलन वॉकर के शो में पहुंच फैंस को चौंकाया

मुंबई। आलिया भट्ट जल्द ही फिल्म 'जिगरा' में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। टीजर और ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही इस फिल्म को लेकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं। वासन बाला के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट काफी नजदीक है और इसी वजह से आलिया इन दिनों अपनी इस फिल्म का जोर शोर से प्रचार कर रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने बेंगलुरु में ग्रैमी विजेता डीजे एलन वॉकर के शो में अचानक पहुंचकर प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। अभिनेत्री ने प्रशंसकों का अभिवादन करते हुए कहा, 'नमस्कार (हैलो) बेंगलुरु। सरप्राइज, सरप्राइज।' जैसे ही आलिया ने एंट्री की वैसे ही बैकग्राउंड में फिल्म का गाना 'चल कुड़िए' बजने लगा।

रणवीर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी...

नई दिल्ली। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की सफलता के बाद रणवीर सिंह एक और सोलो प्रोजेक्ट के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। नई फिल्म का निर्देशन आदित्य धर करेंगे। वहीं, अब इस फिल्म में मुख्य नायिका की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री के बारे में जानकारी सामने आई है। नई जानकारी के अनुसार, सारा अर्जुन इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। सारा इससे पहले तमिल, तेलुगु और मलयालम के साथ-साथ कई हिंदी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन में नंदिनी के बचपन का किरदार भी निभाया था। हालांकि सारा के किरदार के बारे में विस्तृत जानकारी अभी तक नहीं मिली है, लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों में अन्य फिल्मों में अपनी छोटी-मोटी भूमिकाओं की तुलना में अब इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी।

टीवी मसाला

बेहद शानदार है बिग बॉस का नया घर...

मुंबई। बिग बॉस 18, लोगों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 6 अक्टूबर से इस चर्चित शो का आगाज होने जा रहा है। इस शो में सलमान खान बतौर होस्ट एक बार फिर से नजर आने वाले हैं। इस रियलिटी शो का थीम इस बार 'समय का तांडव' रखा गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस थीम की झलक शो के सेट में भी नजर आती है। बिग बॉस 18 का नया घर इस बार गुफाओं और पुराने किलों के जैसा नजर आ रहा है। यह घर पिछले वर्षों की तुलना में और भी अधिक भव्य दिख रहा है। इस बार घर में गुप्त प्रवेश द्वार, गुप्त दरवाजे और कुछ ऐसे स्थान भी हैं जो आसानी से दिखाई नहीं दे सकते हैं। बगीचे के क्षेत्र में प्रवेश करने पर विशाल खंभे और एक रास्ता घर के प्रवेश द्वार की ओर जाता है, जो कि काफी ज्यादा आकर्षक है। बाथरूम की थीम तुर्की हम्माम से प्रेरित है। इसके प्रवेश द्वार पर एक विशाल ट्रोजन घोड़ा है, जिसमें बैठने के लिए जगह है। लिविंग रूम को खास अंदाज में डिजाइन किया गया है, इस देखकर लोगों को प्रचीन समय जैसी फिलिंग आएगी। यहां बैठने की जगह को एक कोने में रखा गया है, जिसमें बीच में एक बड़ी डाइनिंग टेबल रखी गई है। रसोई को गुफा की तरह बनाया गया है, जबकि बेडरूम का क्षेत्र देखकर लोगों को किले जैसा अहसास होगा।

'एबीसीडी' के लेखक ने द कपिल शर्मा शो को बताया खराब

नई दिल्ली। कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो 'द कपिल शर्मा शो' को लेकर लेखक अमित आर्यन ने कुछ विवादित बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि कपिल शर्मा अपने सह कलाकारों के बिना कुछ नहीं हैं। साथ ही शो में फूहड़ कॉमेडी दिखाई जा रही है। उन्होंने शो को इतिहास का सबसे गंदा शो घोषित करार दिया है। उन्होंने कहा कि इस शो में अश्लील मजाक और पंच होते हैं। यह देखने में सामान्य बातचीत लगती है, लेकिन मेरे पास इस बात को कहने का अधिकार है। मेरे पास कपिल शर्मा, कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक से ज्यादा अनुभव है। इस शो में महिलाओं का सम्मान नहीं होता है। कृष्णा अभिषेक के किरदार को लेकर अमित आर्यन ने कहा कि वह हमेशा निचले स्तर की बात करते हैं'। अमित आर्यन ने कहा कि यह शो हाल ही में ओटीटी पर भी आया है, ओटीटी पर ये शो कुछ ऐसा नहीं कर पाया जो शो को वाकई करना चाहिए था।

22 फिल्में फ्लॉप रहीं तो छोड़ी इंडस्ट्री...

मुंबई। ये एक्टर ने अपने करियर में फ्लॉप की झड़ी लगा दी थी इसके बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी और आज ये जूस बेच रहे हैं। बॉलीवुड में कई ऐसे एक्टर्स हैं जिनका करियर कड़ी मेहनत के बाद भी सफल नहीं रहा। जिन्होंने अपने करियर में सिर्फ 1 हिट फिल्म दी उनकी 22 फिल्म फ्लॉप रहीं। कई फ्लॉप फिल्में देने के बाद उसने फिल्में छोड़ दीं। हालांकि, उन्होंने वापसी की और अब कई कंपनियां भी चलाते हैं। हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं डिनो मोरिया हैं। डिनो एक फैशन मॉडल से एक्टर बने थे। उन्होंने कई हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में काम किया। डिनो ने फिल्म 'प्यार में कभी कभी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही थी। लेकिन इसके बाद बिपाशा बसु के साथ उनकी दूसरी फिल्म 'राज़' ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया था। हालांकि, डिनो अपना स्टारडम बरकरार नहीं रख सके। डिनो की ज्यादातर फिल्में जैसे गुनाह, बाज़-ए बर्ड इन डेंजर, सश्श, इश्क है तुमसे, प्लान, इन्साफ-द जस्टिस, रक्त और चेहरा बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं।

हीरोइन्स के साथ बात करने से झिझकते थे धर्मेंद्र

शर्मीले एक्टर को इस एक्ट्रेस ने दी जोर की झप्पी

नई दिल्ली। कोई एक्टर जब बड़ा सितारा बन जाता है तब लोग उसे सलाम करते हैं। उससे सीनियर एक्टर एक्ट्रेस भी उस फ्रेंडली बिहेव करते हैं। वही सितारा जब नए कलाकार के तौर पर इंड्स्ट्री में कदम रखता है तब वो डरा सहमा सा होता है। सीनियर एक्टर्स के साथ काम करते हुए भी वो आसानी से कंफर्टेबल नहीं हो पाता। आज की तारीख में बॉलीवुड के दिग्गज बन चुके धर्मेंद्र भी इस दौर से गुजर चुके हैं। आज धर्मेंद्र फिल्मी दुनिया का जानामाना नाम है। उन्होंने कई एक्टर एक्ट्रेस के साथ काम किया है। अपने दोनों बच्चों को भी सक्सेसफुली लॉन्च किया है। लेकिन, एक दौर ऐसा भी था जब धर्मेंद्र भी हीरोइन्स के साथ काम करने से झिझकते थे।

इस एक्ट्रेस के साथ झिझक रहे थे धर्मेंद्र

धर्मेंद्र ने खुद एक रियल्टी शो में खुद से जुड़ी इन पुरानी यादों को शेयर किया। इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहे इस पुराने वीडियो में धर्मेंद्र बता रहे हैं कि वो शुरुआत में फिल्मों में काम करने आए थे तब काफी शर्मीले थे। खासतौर से जब उनका सामना फिल्मी दुनिया की सीनियर एक्ट्रेस से होता था वो थोड़ा झेंप जाते थे। धर्मेंद्र ने कहा कि वो अपने करियर के शुरुआती सालों में अनपढ़ फिल्म कर रहे थे। इस फिल्म में माला सिन्हा उनकी हीरोइन थे। जो पहले से ही फिल्मी दुनिया की एक स्थापित एक्ट्रेस थीं। उनके साथ सीन करने में धर्मेंद्र झिझक रहे थे।

एक झप्पी से बन गई बात

धर्मेंद्र ने आगे कहा कि माला सिन्हा को ये समझते देर नहीं लगी कि धर्मेंद्र उनके साथ कंफर्टेबल नहीं हो पा रहे हैं। उन्हें ये समझते देर नहीं लगी कि नए नवेले धर्मेंद्र कॉन्फिडेंट फील नहीं कर रहे हैं। इसके बाद माला सिन्हा ने उन्हें एक जोरदार झप्पी दी। धर्मेंद्र इस वायरल क्लिप में कहते सुने जा सकते हैं कि बस उसके बाद वो खुल गए। फिर उन्हें किसी के साथ काम करने में झिझक नहीं हुई।

कल्कि ने 50 दिन में 645.92 करोड़ रुपए का किया था कलेक्शन

50 दिनों तक सिनेमाघरों में टिके रहने में कामयाब रहीं ये फिल्में

मुंबई। स्त्री 2 ने हाल ही में सिनेमाघरों में अपने 50 दिन पूरे कर लिए हैं। यह फिल्म अब भी दर्शकों को लुभाने में कामयाब हासिल कर रही है। जवान के हिंदी कलेक्शन को पछाड़ने के बाद यह फिल्म 600 करोड़ की क्लब की ओर आगे बढ़ रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक यह फिल्म 592.69 करोड़ रुपए का अब तक कलेक्शन कर चुकी है। आज के समय में किसी भी फिल्म का 50 दिन तक थियेटर में टिकना काफी मुश्किल माना जाता है। स्त्री 2 से पहले भी हाल के कुछ समय में कई फिल्मों ने 50 दिनों से ज्यादा दिन तक थिएटर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

बाहुबली 2 : फिल्म बाहुबली 2 भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में प्रभास ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने छप्परफाड़ कमाई की थी। इस फिल्म ने 50 दिनों से भारतीय टिकट खिड़की पर 1026.5 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

केजीएफ चैप्टर 2 : केजीएफ चैप्टर 2 को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म काफी ज्यादा कामयाब रही थी। यह फिल्म भी 10 हफ्तों से ज्यादा समय तक सिनेमाघरों में बनी हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 50 दिन में सभी भाषाओं को मिलाकर कुल 858.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।

आरआरआर : एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी एक और फिल्म का नाम इस सूची में शामिल है। आरआरआर हर भाषा में दर्शकों को पसंद आई थी। सिनेमाघरों में यह फिल्म लंबे समय तक प्रदर्शित हुई थी। 10 से ज्यादा सप्ताह तक टिकी रहने वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 50 दिनों में कुल 780 करोड़ रुपए से अधिक का कलेक्शन किया था।

कल्कि 2898 एडी : इस सूची में प्रभास की एक और फिल्म का नाम शामिल है। 2024 में रिलीज हुई कल्कि 2898 एडी भी सिनेमाघरों में लंबे समय तक प्रदर्शित हुई। 78 दिनों तक इस फिल्म ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 50 दिन में 645.92 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।

जवान : शाहरुख खान की जवान भी दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर गजब की कमाई की थी। अब भी यह फिल्म सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म है। 50 दिनों में इस फिल्म ने कुल 639.75 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।

एनिमल : रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल पिछले साल यानी 2023 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने दर्शकों पर अपनी गहरी छाप छोड़ी थी। 50 दिन में इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 553.38 करोड़ रुपए था।

पठान : शाहरुख खान की पठान ने रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर डाले थे। यह पहली हिंदी फिल्म थी, जिसने 500 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। लंबे समय तक यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई थी। फिल्म ने 50 दिन में कुल 540.51 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।

गदर 2 : सनी देओल की गदर 2 उनके करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म है। कम बजट में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर घोषित हुई थी। इस फिल्म ने 50 दिनों में 524.8 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

पुष्पा द राइज : अल्लू अर्जुन की पुष्पा द राइज फिल्म ने उन्हें पैन इंडिया स्टार बना दिया। इस फिल्म को दक्षिण के साथ हिंदी पट्टी के दर्शकों ने भी खूब पसंद किया था। इस फिल्म में शानदार अदाकारी के लिए अल्लू अर्जुन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुका है। पुष्पा 2, 70 दिनों से ज्यादा तक बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने में कामयाब रही थी। फिल्म ने 50 दिनों में सभी भाषाओं को मिलाकर कुल 262.68 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।

ब्लूचिप फंड्स ने 1 वर्ष में कर दिया निवेशकों को मालामाल

● 71% तक का रिटर्न दिया, निवेशकों के भाग्य चमके ● इन फंडों निवेश करना रहता है बेहद कम रिस्की ● 500 रुपये की एसआईपी से कर सकते हैं निवेश ● बाजार में उतरने से पहले अपने गोल तय करेंगे तो बेहतर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर निवेश करने जा रहे हैं या निवेश कर चुके हैं। अब और निवेश करना चाहते हैं तो पहले अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें। इसके बाद अपने गोल बनाए और बाजार में निवेश का रुख करें। इससे आप कम समय में आसानी से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। बजार में ऐसी कई स्कमें मौजूद हैं, जिनमें निवेश फायदेमंद हो सकता है। वहीं दूसरी तरफ, अगर आप कम रिस्क के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं तो आपके लिए ब्लूचिप फंड में निवेश करना सही साबित हो सकता है। इसमें कम रिस्क के साथ अच्छा रिटर्न मिलने की भी संभावना रहती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते 1 साल में ब्लूचिप फंड्स ने 71 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। अगर आप रिस्क ले सकते हैं तो ब्लूचिप फंड में निवेश करना आपको अच्छा फायदा दिला सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे ऐसे की कुछ ब्लूचिप फंड के बारे में जिन्होंने एक साल में निवेशकों को मालामाल कर दिया और उनकी वेल्थ बढ़ाने में अच्छी मदद की है।

आखिर क्या हैं ब्लूचिप फंड

निवेश करने से पहले एक बार यह जान लेना भी जरूरी है कि आखिर ये ब्लूचिप फंड हैं क्या जो बिना रिस्क के अच्छा रिटर्न लोगों को उपलब्ध करवा रहे हैं। ये लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड ही हैं, हालांकि कुछ लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड ने अपने नाम के साथ ब्लूचिप भी जोड़ लिया है। जैसे एक्सिस ब्लूचिप फंड, आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंड, एसबीआई ब्लूचिप फंड, कोटक ब्लूचिप फंड या फ्रैंकलिन ब्लूचिप फंड। ब्लूचिप म्यूचुअल फंड स्कीमों के लिए निवेशकों से जुटाई गई राशि का कम से कम 80% टॉप 100 कंपनियों में निवेश करना जरूरी होता है। माना जाता कि इनके शेयरों में उतार चढ़ाव कम होता है, इसलिए इनमें पैसा लगाने पर नुकसान की संभावना, खासतौर पर लंबे समय में कम ही रहती है।

कम रिस्क संग बेहतर रिटर्न

ब्लूचिप कंपनी उन कंपनियों को कहते हैं कि जिनका आकार बहुत बड़ा होता है और जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। माना जाता कि इनके शेयरों में उतार चढ़ाव कम होता है, इसलिए इनमें पैसा लगाने पर नुकसान की संभवना, विशेषतौर पर लंबे समय में कम ही रहती है। लार्ज कैप म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए निवेशकों से जुटाई गई रकम का कम से कम 80% टॉप 100 कंपनियों में निवेश करना जरूरी है।

किसे करना चाहिए निवेश

ब्लूचिप फंड्स में उनको पैसा लगाने की सलाह दी जाती है, जो कम जोखिम के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। इन स्कीम्स में कम से कम 3 से 5 साल के टाइम पीरियड को ध्यान में रख कर निवेश करना चाहिए। हालांकि इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं होता है, इसीलिए आप जरूरत पड़ने पर पैसा निकाल सकते हैं। ध्यान रहे कि छोटे समय मे शेयर बाजार में उतार चढ़ाव का असर आपके निवेश पर अधिक पड़ सकता है, जबकि लंबे समय में यह रिस्क कम हो जाता है।

बेहतर रिटर्न देने वाले कुछ ब्लूचिप फंड्स

एसबीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड

समय	रिटर्न
1 साल का रिटर्न	71%
3 साल का औसत रिटर्न	22%
5 साल का औसत रिटर्न	

यूटीआई निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड

1 साल का रिटर्न	71%
3 साल का औसत रिटर्न	22%
5 साल का औसत रिटर्न	23%

क्वांट फोकस्ड फंड

1 साल का रिटर्न	48%
3 साल का औसत रिटर्न	24%
5 साल का औसत रिटर्न	27%

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप फंड

1 साल का रिटर्न	42%
3 साल का औसत रिटर्न	21%
5 साल का औसत रिटर्न	22%

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड

1 साल का रिटर्न	40%
3 साल का औसत रिटर्न	23%
5 साल का औसत रिटर्न	23%

यह भी जानिये

ब्लू चिप फंड एक ओपन एंडेड स्कीम होता है, जिससे निवेशक अपनी आवश्यकतानुसार कभी भी रिडीम या विदड्रॉ कर सकता है और अनिश्चित समय में ऋण लेने से बच सकता है। म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेशित फंड सुरक्षित होते हैं क्योंकि सेबी और एएमएफआई के मानक उन्हें सुनिश्चित करते हैं। न्यूनतम निवेश 5000 रुपये और न्यूनतम अतिरिक्त निवेश 1000 रुपये है। न्यूनतम एसआईपी निवेश 500 रुपये है। म्यूचुअल फंड को सीधे फंड हाउस की वेबसाइट से खरीदा जा सकता है। उदाहरण के लिए, एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड फंड को एसबीआई म्यूचुअल फंड की वेबसाइट से खरीदा जा सकता है। आप एमएफ सेंट्रल, एमएफ यूटिलिटी जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए भी म्यूचुअल फंड खरीद सकते हैं।

कम रिस्क के साथ

बेहतर रिटर्न चाहते हैं तो करें बढ़िया प्लानिंग

बिजनेस डेस्क। किसी भी आम निवेशक को शेयर बाजार का रिटर्न बेहद लुभाता है। वह देखता कि फलाने शेयर में निवेशकों का पैसा एक ही दिन में डबल हो गया, लेकिन ऐसा सबका नहीं होता। सैकड़ों-हजारों निवेशकों में किसी को इस तरह का रिटर्न मिलता है। लेकिन आप चाहे तो एसेट अलोकेशन की सही रणनीति बना कर शेयर बाजार का कुछ फायदा तो ले ही सकते हैं। कहते हैं इंतजाम सही हो तो यात्रा सही-सही कट जाती है। यदि कोई घूमने निकलता है तो उसे रवाना होने से पहले अपने लिए ढेरों इंतजाम करने होते हैं। उसे अपने पास पर्याप्त भोजन-पानी, गाड़ी, तेल रुपये पैसे आदि की व्यवस्था करनी होती है। जब सही तरीके से इंतजाम किया गया हो तो चाहे रास्ते में कुछ भी हो वह यात्रा पूरी करके ही मानेगा। ऐसी निवेश की यात्रा भीद है। अगर आप सही प्लानिंग के साथ बाजार में निवेश करने उतरेंगे तो चाहे बाजार में कितने भी उतार चढ़ाव आएं आप कुछ न कुड कमा ही लेंगे। बस जरूरत है बेहतर प्लानिंग करने की और अपनी रिस्क क्षमता देखने की। इसके साथ ही निवेश करने से पहले अपने गोल भी तय कर लें। एक बार खुद से ही सवाल करें कि मैं निवेश क्यों करने जा रहा हूं। इससे मुझे क्या लाभ होगा।

ऐसी प्लानिंग जरूरी

वित्तीय जगत में भी आपका सफर सुहाना हो और आप अच्छे से पैसे लगाकर बढ़िया रिटर्न प्राप्त करें। इसके लिए शुरू से ही प्लानिंग करें। यदि आप बिना प्लानिंग के निवेश के समंदर में उतरते हैं तो हो सकता है कि आपकी फाइनेंशियल जर्नी अधूरी रह जाए। आप वह लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाएं जैसा कि आपने सोचा है। ऐसे में कुछ नियमों का पालने करते हुए निवेश करेंगे तो आपको पछताना नहीं पड़ेगा और आप अपने निवेश के लक्ष्य को आराम से पूरा कर लेंगे। अपनी निवेश यात्रा को बेहतर बनाने के लिए बाजार का अध्ययन करें। कुछ बड़े निवेशकों से सलाह भी ले सकते हैं। एक ही जगह निवेश न करें। आपके पोर्टफोलियों में कई तरह के एसेट्स होने चाहिएं, ताकि आपको निवेश में परेशानी न हो और आप आसानी ने अपने लक्ष्य को तय कर सकें।

ऐसे काम करता है यह फार्मूला

म्यूचुअल फंड की दुनिया में एक टर्म चलता है एसेट अलोकेशन। इसका सार है इक्विटी, बांड, रियल एस्टेट और सोना सहित विभिन्न एसेट क्लास के बीच संतुलन साधना। निवेशक को यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर बनी रहे, चाहे बाजार का मौसम कुछ भी हो। दरअसल, एक व्यक्ति के रूप में, वित्तीय योजना बनाने का सबसे अच्छा तरीका एसेट एलोकेशन है, जो किसी इन्वेस्टर की प्रोफाइल के साथ मैच करे। किसी इन्वेस्टर की प्रोफाइल में उसकी जोखिम उठाने की क्षमता, रिटर्न आवश्यकताएं, समय सीमा और निवेश लक्ष्य जैसे पहलू शामिल किए जाते हैं। इसके बाद ही आप अपनी निवेश यात्रा शुरू करेंगे तो किसी भी परिस्थिति में आपको नुकसान नहीं होगा और अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकेंगे।

समय बेहद महत्वपूर्ण

अब आप जब भी निवेश की यात्रा शुरू करते हैं तो समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। यहां समय का मतलब उस अवधि से है, जितने दिन का लक्ष्य लेकर आप निवेश करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपकी निवेश की समय सीमा 10 वर्ष से कम है और आपके सामने 10-15 और काम हैं, तो आप अपने फंड का एक बड़ा हिस्सा उच्च जोखिम-उच्च रिटर्न वाली संपत्तियों के लिए आवंटित कर सकते हैं। यह आपको विभिन्न बाजारों के विकास में भाग लेने की अनुमति देगा, साथ ही प्रभावी डायवर्सिफिकेशन के माध्यम से रिस्क को भी कम करेगा। इससे आपको अपने लक्ष्य के अनुरूप रिटर्न मिल जाएगा और आप बिना किसी नुकसान के बेहतर रिटर्न प्राप्त कर सकेंगे।

इस पर भी कर सकते हैं विचार

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार आम निवेशकों के लिए, अपने दम पर एसेट एलोकेशन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसका एक आसान समाधान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट एलोकेटर फंड जैसे एसेट एलोकेटर म्यूचुअल फंड में निवेश करना है। यह मुख्य रूप से इन-हाउस वैल्यूएशन मॉडल के आधार पर इक्विटी, डेट और गोल्ड म्यूचुअल फंड योजनाओं/ईटीएफ के बीच निवेश करता है। 30 अगस्त, 2024 तक इस फंड ने 22.28% का एक साल में रिटर्न दिया। यदि 3 साल का सीएजीआर देखें तो यह 14.02% था। इस फंड ने 5 साल का सीएजीआर 15.21% दिया है। मतलब कि आपको इसमें बैंक एफडी या निवेश के अन्य परंरपरागत साधनों के मुकाबले बेहतर रिटर्न मिलता है। इसलिए आप अपनी निवेश यात्रा शुरू करने पहले अच्छे से तैयारी करें। इसके बाद ही निवेश के बाजार में उतरें।

पांच साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली 10 इक्विटी स्कीम

- 40 से 50% सालाना की दर से बढ़ रहा है पैसा, कोई भी आसानी से इनमें कर सकता है निवेश
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट पर भी 4 गुना से 7 गुना रिटर्न, इन स्कीमों में निवेशकों ने जमकर बटोरे रुपये

बिजनेस डेस्क

अगर आप कहीं निवेश करें और आपको 5 साल में 40 से 50 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न मिले तो यह आपके लिए कितनी बड़ी मुनाफे की डील होगी। ऐसा कर दिखाया है कि म्यूचुअल फंड की इक्विटी स्कीम के 10 सुपर स्टार्स ने। म्यूचुअल फंड मार्केट में ऐसी कई इक्विटी स्कीम हैं, जिनमें बीते 5 साल में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए किए गए निवेश पर 40 से 50 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न मिल रहा है। वहीं इनमें वन टाइम इन्वेस्टमेंट पर भी निवेशकों को 4 गुना से 7 गुना रिटर्न मिला है। हमने यहां 5 साल में बेस्ट परफॉर्म करने वाली 10 इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम के बारे में जानकारी दी है। इनके बारे में आप भी जान लीजिये और बड़ी आसानी से निवेश कर सकते हैं।

इन स्कीमों ने 5 साल दिया बेहतर रिटर्न

1. सीपीएसई ईटीएफ

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 50.91%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 237.96%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 20,27,778 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 33.54%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 325.35%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 4,25,352 रुपये
- लॉन्च डेट : 28 मार्च, 2014
- लॉन्च के बाद से रिटर्न : 18.22% सालाना
- कुल एसेट्स : 46,099 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.07% (31 अगस्त, 2024)

2. क्वांट स्मॉल कैप फंड

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 50%
- एसआईपीनिवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 231.15%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 19,86,894 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 50.13%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 664.36%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 7,64,360 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.50% सालाना
- कुल एसेट्स : 25,535 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (31 अगस्त, 2024)

3. बंधन इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 43.77%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 187.95%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 17,27,680 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 33.15%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 319.09%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 4,19,091 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 18.35%
- कुल एसेट्स : 1965 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.82% (31 अगस्त, 2024)

4. आईसीआईसीआई प्रू इंफ्रास्ट्रक्चर फंड0

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 43.51%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 186.27%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 17,17,618 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 33.45%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 323.89%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 4,23,889 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 18.90%
- कुल एसेट्स : 6143 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.18% (31 अगस्त, 2024)

5. मोतीलाल ओसवाल मिडकैप

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 43.47%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 185.97%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 17,15,809 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 34.60%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 342.44%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 4,42,440 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 24 फरवरी, 2014
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 26.65%
- कुल एसेट्स : 15,940 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.60% (31 अगस्त, 2024)

6. निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 42.72%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 181.16%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 16,86,947 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 38.28%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 406.53%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 5,06,528 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 28.18%
- कुल एसेट्स : 61,000 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.65% (31 अगस्त, 2024)

7. एचडीएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 41%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 170.35%
- मंथली 10,000 रुपये SIP की वैल्यू : 16,22,181 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 28.25%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 247.41%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 3,47,407 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 14.51%
- कुल एसेट्स : 2568 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.11% (31 अगस्त, 2024)

8. एसबीआई पीएसयू फंड

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 41%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 170.87%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 16,25,240 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 29.16%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 260%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 3,60,008 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 13.41%
- कुल एसेट्स : 4851 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (31 अगस्त, 2024)

9. इनवेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 40.76%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 168.84%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 16,13,056 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 32.27%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 305.46%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 4,05,455 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से एनुअलाइज्ड रिटर्न : 18.81%
- कुल एसेट्स : 1593 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.76% (31 अगस्त, 2024)

10. क्वांट मिडकैप फंड

- एसआईपी निवेश पर सालाना रिटर्न : 40.40%
- एसआईपी निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 160%
- मंथली 10,000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 15,97,362 रुपये
- लम्प सम निवेश पर सालाना रिटर्न : 38.53%
- लम्प सम निवेश पर एब्सॉल्यूट रिटर्न : 411.14%
- 1 लाख लम्स सम की वैल्यू : 5,11,142 रुपये
- स्कीम लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013

स्पेशल एफडी कराएगी आपको ज्यादा मुनाफा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करना आज भी काफी लोग पसंद करते हैं। हालांकि इनमें कई दूसरी स्कीम के मुकाबले ब्याज दर काफी कम होती है, लेकिन जोखिम से बचने के लिए काफी निवेशक आज भी एफडी पर भरोसा जताते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि इस पर फिक्स्ड ब्याज मिलता है। इसमें निवेश करने पर मार्केट में उतार-चढ़ाव का कोई असर नहीं होता। एफडी में निवेश काफी लोगों की पहली पसंद रहता है। साथ ही एक समय बाद तय ब्याज के हिसाब से रिटर्न मिल जाता है। कम ब्याज होने के बाद भी निवेशक एफडी को पसंद करते हैं। बैंक अब स्पेशल एफडी स्कीम भी निकालते हैं। इनमें ज्यादा ब्याज मिलता है। वहीं दूसरी, ओर निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बैंक समय-समय पर एफडी की स्पेशल स्कीम निकालते रहते हैं। इनमें सामान्य एफडी के मुताबिक ज्यादा ब्याज मिलता है। यानी कह सकते हैं कि इनमें सबसे ज्यादा ब्याज मिलता है। ये स्कीम खास दिनों जैसे 333, 444 आदि के लिए होती हैं। हालांकि ये स्कीम हमेशा के लिए नहीं होतीं। बैंक इन्हें कुछ समयसीमा के लिए जारी करते हैं और फिर उसके बाद बंद कर देते हैं।

ये बैंक दे रहे हैं स्पेशल एफडी

1. बैंक ऑफ बड़ौदा

इस बैंक की 'मॉनसून धमाका प्लस डिपॉजिट स्कीम' नाम से स्पेशल एफडी स्कीम है। यह स्कीम 399 दिनों के लिए है। यानी रकम 399 दिन के लिए निवेश होगी। इस स्कीम पर बैंक सामान्य नागरिकों को 7.30 फीसदी और सीनियर सिटिजंस को 7.80 फीसदी की ब्याज दर दे रहा है।

2. कैनरा बैंक

केनरा बैंक भी स्पेशल एफडी पर निवेशकों को अच्छा ब्याज दे रहा है। इस बैंक की स्पेशल एफडी स्कीम 444 दिनों की है। इस स्कीम पर सामान्य नागरिकों को 7.25 फीसदी और सीनियर सिटिजंस को 7.75 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है।

3. इंडियन बैंक

इंडियन बैंक निवेशकों को 400 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम दे रहा है। इसका नाम आईएनडी सुपर 400 दिन है। इसमें निवेशक करने पर सामान्य नागरिकों को 7.25 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं सीनियर सिटिजंस को 7.75 फीसदी की दर से ब्याज दिया जा रहा है।

4. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

स्पेशल एफडी पर यूनियन बैंक निवेशकों को जबरदस्त ब्याज दे रहा है। इस बैंक की स्पेशल एफडी स्कीम 333 दिनों की है। इस स्कीम में निवेश करने पर बैंक सामान्य नागरिकों को 7.40 फीसदी ब्याज दे रहा है। वहीं सीनियर सिटिजंस को सामान्य नागरिकों के मुकाबले ज्यादा ब्याज मिल रहा है। यह 7.90 फीसदी है।

5. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भी स्पेशल एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज दे रहा है। 400 दिनों की इस स्पेशल एफडी स्कीम का नाम अमृत कलश है। इसमें निवेश करने पर सामान्य नागरिकों को 7.10 फीसदी और सीनियर सिटिजंस को 7.60 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। इसके अलावा एसबीआई ने 444 दिन की अमृत वृष्टि स्पेशल एफडी स्कीम भी है। इसमें सामान्य नागरिकों को 7.25 फीसदी औ सीनियर सिटिजंस को 7.75 फीसदी ब्याज मिल रहा है।

क्या है एफडी

एफडी का पूरा नाम फिक्स्ड डिपॉजिट है। यह एक प्रकार का निवेश है, जिसमें कोई व्यक्ति किसी बैंक में एक निश्चित अवधि के लिए एकमुश्त राशि निवेश करता है। एफडी में जमा की गई राशि पर एक निश्चित दर से ब्याज मिलता है जो खाता खोलने के समय निर्धारित किया जाता है। एफडी धारक अपनी पसंद के अनुसार मासिक, त्रैमासिक, अर्ध-वार्षिक या वार्षिक रूप से अर्जित ब्याज प्राप्त करना चुन सकते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट लोकप्रिय हैं क्योंकि वे बाजार में उपलब्ध सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक हैं। रिटर्न की गारंटी होती है और पूंजी हानि का कोई वास्तविक जोखिम नहीं होता है। इसके अलावा, वे बचत खातों की तुलना में बेहतर ब्याज दर प्रदान करते हैं। यह फिक्स्ड डिपॉजिट को स्थिर और अनुमानित रिटर्न पाने की चाह रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक निवेश विकल्प बनाता है। कुछ टैक्स-सेविंग एफडी भी टैक्स बचाने में मदद कर सकते हैं।

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे
डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

जम्मू- कश्मीर में मुख्यमंत्री पर चर्चाएं तेज

गठबंधन में उमर और भाजपा सत्ता में आई तो होगा चौंकाने वाला नाम

जितेंद्र सिंह

रविंद रैना

उमर अब्दुल्ला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। परिणाम के इंतजार की उत्सुकता जितनी है, उतनी ही दिलचस्पी इस बात को भी जानने में है कि मुख्यमंत्री कौन होगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी तक ने मुख्यमंत्री चेहरे घोषित नहीं किए जबकि इनके कई नेता पूर्व में मुख्यमंत्री रह चुके हैं। भाजपा भी बिना चेहरे के मैदान में थी। यदि गठबंधन जीतता है तो सीएम चेहरे के रूप में नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला का नाम आगे होने की संभावना है।

साथ ही भाजपा सत्ता में आती है, तो चेहरा कौन होगा? यह सवाल सभी के जेहन में बना हुआ है। भाजपा की ओर से रविंद्र रैना, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का नाम राजनीतिक गलियारों में गूंज रहा है। अगर भाजपा के पास बहुमत का आंकड़ा आता है तो यहां भी संभव है कि अन्य राज्यों की तरह वह कोई चौंकाने वाला नाम सामने ले आए।

पीडीपी खुद को किंग मेकर बता रही

2014 के चुनाव में भाजपा और पीडीपी ने सरकार बनाई थी। अब गुरुवार को पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने एक्स पर एक पोस्ट की। उसमें लिखा कि नतीजे भले ही आठ को आएंगे, लेकिन उससे पहले ही शतरंज का खेल शुरू हो चुका है। यह सब मीडिया की चकाचौंध से दूर होगा। कश्मीर में चिनार के पेड़ों के अलावा कुछ भी सीधा नहीं है। वहीं श्रीनगर के पूर्व मेयर जुनैद मट्टू ने लिखा कि पहलगाम में नेकां अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला और भाजपा प्रतिनिधि के बीच दो बैठक हुई। इल्तिजा की पोस्ट के बाद माना जा रहा है कि पीडीपी एक बार फिर खुद को किंगमेकर बता रही है।

जोर-आजमाइश शुरू

राजनेताओं की ओर से सोशल मीडिया पर जो पोस्ट आ रही हैं, यह इशारा कर रही है कि सरकार बनाने की ओर आजमाइश अभी से शुरू कर दी गई है। गुरुवार और शुक्रवार को इससे जुड़ी दो पोस्ट सामने आईं। एक श्रीनगर के पूर्व मेयर जुनैद मट्टू और एक पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने की। इसमें उन्होंने गठबंधन से जुड़े इशारे ही किए। फिलहाल सीएम चेहरे को लेकर हर वर्ग में चर्चाएं तेज हैं।

हरियाणा में मतदान के बीच बवाल भी कटा, कई स्थानों पर उत्पात मचा

नूंह में वोटिंग के दौरान तीन जगह विवाद, पत्थरबाजी भी

नूंह जिले में तीन जगह मतदान के दौरान विवाद हुआ है। नूंह विधानसभा के चंदेनी गांव में बूथ नंबर 57, 58 के बाहर झगड़े की खबर है। वहीं, पुनहाना विधानसभा के गांव ख्वाजली कला और गुलालता में कांग्रेस प्रत्याशी और निर्दलीय प्रत्याशी रहीसा खान के समर्थकों के बीच विवाद हुआ है। गुलालता में छतों से लोग पत्थर चल रहे हैं। जिसका वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ लोग छत से पत्थरबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

डाटा गांव में बूथ नंबर 69 पर फर्जी मतदान को लेकर दो पक्षों में झड़प

नारनौंद विधानसभा क्षेत्र के गांव डाटा के बूथ नंबर 69 पर आज फर्जी मतदान को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई, जिसमें कुछ लोगों को हल्की चोटें भी आई हैं। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर फर्जी वोट डलवाने के आरोप लगे हैं, जिसके चलते विवाद शुरू हुआ।घटना तब हुई जब कुछ लोग फर्जी मतदान का वीडियो बनाने लगे, जिससे कांग्रेस कार्यकर्ता भड़क उठे। इसी बीच, इनेलो के बूथ एजेंट कुलदीप ने माहौल शांत कराने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई, लेकिन स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया। घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार दिया गया है, और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पानीपत में दो पक्षों में चले चाकू, तीन घायल

पानीपत के नोहरा गांव में बोगस वोट डालने को लेकर कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ताओं में जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों में चाकू भी चले। चाकू लगने से तीन युवक घायल हो गए। इस घटना पर पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कराया। तब तक आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घायलों को जिला नागरिक अस्पताल लाया गया। इनके मेडिकल परीक्षण के बाद इसकी शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। नोहरा गांव निवासी सुरेंद्र ने बताया कि मतदान के दौरान दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे गांव का ही कमल उर्फ पप्पू कांग्रेस के बोगस वोट डाल रहा था। यहां भाजपा के एजेंट सेठपाल ने उसको ऐसा करने से रोका। इसके बाद भी वह नहीं माना। दोनों में कहासुनी हो गई। गांव के सोनू उर्फ मोटा ने भी कमल को ऐसा करने से रोका। कमल के इशारे पर बलबीर, जोनी व सन्नी ने कॉल कर यहां काफी युवकों को बुला लिया। इन्होंने सोनू, सेठपाल व सतबीर पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में यह घायल हो गए। फिर आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस दौरान लगभग 15 मिनट तक मतदान भी प्रभावित रहा।

बिना स्याही लगवाए ही दे दिया वोट, पार्टी बैज भी नहीं दिया हटाने

रोहतक के टिटौली पीएम श्री विद्यालय में बनाए गए बूथ केंद्र में शनिवार को मतदान के दौरान एक बुजुर्ग मतदाता हवा सिंह (80) एक पार्टी का बैज लगाकर मतदान करने पहुंचे। पोलिंग एजेंट ने उन्हें बैज हटाने के लिए कहा लेकिन उन्होंने बैज नहीं हटाया। इसके बजाय उन्होंने बैज को परने से ढंक दिया। साथ ही ईवीएम पर मतदान करने से पहले लगाए जाने वाली स्याही भी नहीं लगाई। यह स्याही एक प्रकार से मतदाता मतदान कर चुका है, इसका सबूत होता है। ऐसे में यह प्रशासन पर गंभीर प्रश्न उठाता है। बुजुर्ग का कहना है कि वह स्याही लगाए बिना वोट करते हैं।

कथित छेड़छाड़ पर बोले सैनी

यह कांग्रेस के डीएनए में है

कांग्रेस की एक रैली में मंच पर कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ कथित छेड़छाड़ के प्रयास पर सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह कांग्रेस के डीएनए में है। ये किसी का सम्मान नहीं करते। ये महिलाओं, दलित समाज, युवाओं, गरीबों का सम्मान नहीं करते। हमारी सरकार मजबूती से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। अगर कोई आवेदन आता है तो हम जरूर कार्रवाई करेंगे।

कांग्रेस की 10 पीढ़ियां भी आ जाएं तो...

कुरुक्षेत्र में सैनी ने दावा किया हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला. साथ ही उन्होंने भूपेंद्र हुड्डा पर भी निशाना साधा। सैनी ने कहा, हमें जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। हरियाणा में कमल का फूल खिल रहा है। कांग्रेस की जो परिवारवाद की राजनीति थी हमनें उस पर विराम लगाया है। भूपेंद्र हुड्डा एक ही विशेष वर्ग को, विशेष क्षेत्र को ही देखते थे, लेकिन हमारी सरकार में सबका साथ सबका विकास, 36 बिरादरी को साथ लेकर आगे बढ़ाने का काम हमारी सरकार ने किया है।

सैनी, दुष्यंत समेत 46 उम्मीदवार खुद को नहीं कर पाए वोट

प्रदेश में मतदान में हिस्सा लेने के लिए 2.03 करोड़ मतदाता पात्र हैं। प्रदेश में चुनाव लड़ रहे 46 प्रत्याशी ऐसे हैं, जो खुद को भी वोट नहीं कर सकेंगे। क्योंकि, वे अपनी गृह विधानसभा को छोड़कर दूसरी विधानसभा से चुनाव लड़ रहे हैं। इन 46 प्रत्याशियों में से भाजपा के सबसे ज्यादा 21 और कांग्रेस के 9, इनेलो-बसपा गठबंधन से 6, आम आदमी पार्टी से 4, 3 जेजेपी-एएसपी गठबंधन और तीन निर्दलीय उम्मीदवार शामिल है। नायब सिंह सैनी लाडवा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि उनका खुद का विधानसभा क्षेत्र नारायणगढ़ है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का नाम भी शामिल हैं। दुष्यंत चौटाला उचाना सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि उनका खुद का विधानसभा क्षेत्र डबवाली है। इस लिस्ट में कांग्रेस नेता विनेश फोगाट का नाम भी शामिल है। विनेश फोगाट जुलाना सीट से चुनाव लड़ रही हैं, जबकि उनका खुद का विधानसभा क्षेत्र चरखी दादरी है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने वोट डाला

वयोवृद्ध ओपी चौटाला ने डाला वोट

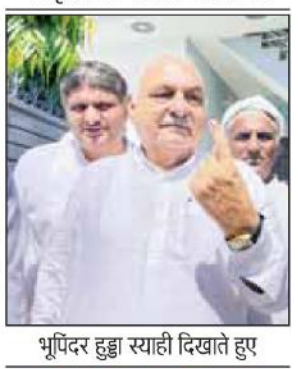
भूपिंदर हुड्डा स्याही दिखाते हुए

मतदान के बाद कुमारी सैलजा

खबर संक्षेप

एक्ट्रेस रिया को दिल्ली पुलिस ने थमाया नोटिस

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को दिल्ली पुलिस ने नोटिस भेजा है। रिया को पुलिस ने

विज्ञापन के जरिए लोगों को एप में निवेश करने के को लेकर तलब किया है। इस नोटिस में दिल्ली पुलिस ने बताया कि रिया चक्रवर्ती को 9 अक्टूबर को द्वारका स्थित साइबर सेल में पूछताछ के लिए आना होगा।इसमें मीडिया इन्फ्लयूयेंसर एल्विश यादव और कॉमेडियन भारती सिंह का भी नाम सामने आ चुका है।

संजौली मस्जिद की 3 मंजिलें अवैध, गिराने के आदेश

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला की संजौली मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर अब नगर

निगम की कमिश्नर की कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया और कहा है कि मस्जिद की 3 मंजिले अवैध हैं, जिन्हें 2 महीने के अंदर गिराने का आदेश दिया गया है। कमिश्नर कोर्ट ने विवाद को लेकर दोनों ही पक्षों को अलग-अलग सुना था और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कमिश्नर की कोर्ट ने कहा कि अब 21 दिसंबर को बचे हुए केस की सुनवाई होगी।

ठाणे में 32,800 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

प्रधानमंत्री ने संत सेवालाल और रामराव की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

कृषि और पशुपालन के लिए 23 हजार 300 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की दी सौगात

एजेंसी ▶▶ वाशिम/ठाणे

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम जिले में स्थित पोहरादेवी मंदिर में मां जगदंबा के दर्शन किए। मंदिर में पूजा करने के बाद उन्होंने परंपरागत नगाड़ा बजा कर भगवती का आशीर्वाद लिया। बंजारा समाज के लिए पोहरादेवी मंदिर श्रद्धा का एक प्रमुख स्थान है। इस मंदिर में देवी की विशेष पूजा और आरती में परंपरागत नगाड़ा बजाना एक आवश्यक रीति है। मनोकामना पूर्ण होने पर भी लोग मंदिर में नगाड़ा बजाकर मां के प्रति आभार जताते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री ने संत सेवालाल महाराज और संत रामराव महाराज की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और मंदिर की महत्ता के बारे में भी चर्चा की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने वाशिम में बंजारा विरासत संग्रहालय का उदघाटन किया।

वाशिम में बंजारा संग्रहालय का किया उद्घाटन

पीएम मोदी ने वाशिम में करीब 23 हजार 300 करोड़ की कृषि और पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी विकास योजनाओं की शुरुआत की। यहां से प्रधानमंत्री ठाणे पहुंचे जहां वह 32,800 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। पीएम मोदी महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे पर हैं। पीएम मोदी नांदेड़ एयरपोर्ट पर पहुंचे, जहां भाजपा नेता अशोक चह्वाण ने उनका स्वागत किया। यहां से उन्होंने हेलीकॉप्टर से पोहरादेवी के लिए उड़ान भरी। वाशिम जिले के पोहरादेवी में जगदंबा माता मंदिर में पीएम मोदी ने पूजा अर्चना की और पारंपरिक ढोल पर हाथ भी आजमाया।

कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस भारत की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी

पीएम ने कहा कि कांग्रेस भारत की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी है। चाहे कोई भी दौर हो, कोई भी राज्य हो, कांग्रेस का चरित्र नहीं बदलता। कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री का जमीन घोटाले में नाम आया है। उनके एक मंत्री महिलाओं को गालियां दे रहे हैं। उनको अपमानित कर रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस का एक नेता ड्रग्स के साथ पकड़ा गया है। कांग्रेस चुनाव में बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन सरकार बनने पर जनता के शोषण का नया नया तरीका खोजती है। नए-नए टैक्स लगाकर अपने घोटालों के लिए पैसा जुटाना ही इनका एजेंडा है।

कांग्रेस की पहचान- समाज को बांटो, लोगों को बांटो और सत्ता पर कब्जा करो

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जानती है कि उनका वोट बैंक तो एक रहेगा, लेकिन बाकी लोग आसानी से बंट जाएंगे। आसानी से टुकड़े हो जाएंगे। इसलिए कांग्रेस और उसके साथियों का एक ही मिशन है- समाज को बांटो, लोगों को बांटो और सत्ता पर कब्जा करो। हमें एकता को ही देश की ढाल बनाना है और हमें याद रखना है कि अगर हम

पीएम कुसुम योजना के तहत दी सौगातें

पीएम मोदी ने पीएम कुसुम के तहत 19 मेगावाट की क्षमता वाली 5 अत्याधुनिक सौर ऊर्जा परियोजनाएं उद्घाटन उद्घाटन किया। ये परियोजनाएं संभाजी नगर, बामनी (नांदेड़), हरोली (कोल्हापुर), जलालाबाद (अकोला) और पलाशी (बुलढाणा) में स्थापित हैं। हैदराबाद के मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने प्रधान मंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान की तहत इसका निर्माण किया है। ये संयंत्र किसानों को उनके खेतों के लिए निर्बाध बिजली प्रदान करेंगे और बिजली बिल का बोझ कम करेंगे। इस योजना का लक्ष्य कृषि उत्पादन बढ़ाना और अधिक बिजली को ग्रिड से जोड़ के उसका मुनाफा किसानों तक पहुंचाना ये है। पीएम कुसुम के तहत सिंचाई के लिए सौर पैनल उपलब्ध कराने से किसानों को दिन में बिजली मिलने से कृषि सिंचाई आसान हो जाएगी और पानी और बिजली की अत्यधिक खपत से बचा जा सकेगा। पीएम कुसुम योजना के तहत, एमईआईएल महाराष्ट्र के नौ जिलों कोल्हापुर, सातारा, अकोला, बुलढाणा, वाशिम, जालना, जलगांव और नांदेड़ में 1880 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 404 उन्नत सौर परियोजनाएं शुरू कर रहा है।

5 सौर ऊर्जा परियोजनाओं को भी किया समर्पित

सौर ऊर्जा संयंत्र और क्षमता

- धोंदलगांव (3 मेगावाट), संभाजी नगर जिला।
- बामनी बीके (5 मेगावाट), नांदेड़ जिला।
- हरोली (3 मेगावाट), कोल्हापुर जिला।
- जलालाबाद (3 मेगावाट), अकोला जिला।
- पलाशी बीके (5 मेगावाट), बुलढाणा

प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड देने में देरी

भड़का सुप्रीम कोर्ट, हमने अपना धैर्य खो दिया, और अभद्रता न हो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के मामले में सुनवाई की, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरफ से राशन कार्ड में देरी पर कोर्ट ने कहा कि हमने अपना धैर्य खो दिया है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को 19 नवंबर तक इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने का अंतिम अवसर दिया। जज ने कहा कि हमने अपना धैर्य खो दिया है, हम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि अब और कोई अभद्रता नहीं होगी। पीठ ने ये भी कहा कि हम आपको हमारे आदेश का पालन करने के लिए एक आखिरी मौका दे रहे हैं या आपके सचिव उपस्थित रहेंगे।

एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने दिया तर्क

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि अंत्योदय अन्न योजना के तहत प्रति प्राथमिकता वाले परिवार के लिए केवल एक राशन कार्ड जारी किया जाता है।बता दें कि अदालत 2020 में कोविड के दौरान प्रवासी मजदूरों की समस्याओं और दुखों का संज्ञान लेने के बाद दर्ज एक स्वतः संज्ञान मामले पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने पहले केंद्र से अपने 2021 के फैसले के अनुपालन और प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड और अन्य कल्याणकारी उपाय प्रदान करने के निर्देशों के बारे में जानकारी देते हुए हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

अदालत ने पारित किए थे निर्देश

अदालत ने 29 जून, 2021 के फैसले और उसके बाद के आदेशों में अधिकारियों को कई निर्देश पारित किए थे, जिसमें उनसे कल्याणकारी उपाय करने के लिए कहा गया था, जिसमें उन सभी प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड देना शामिल था, जो ई-श्रम' पोर्टल के साथ रजिस्टर्ड कोविड -19 महामारी के दौरान परेशान थे। 'ई-श्रम' केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य देश भर में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कल्याणकारी लाभ और सामाजिक सुरक्षा उपायों की डिलीवरी की सुविधा प्रदान करना है।

कोल्हापुर में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' में बोले राहुल

संविधान की रक्षा के लिए आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा हटाएगा गठबंधन

एजेंसी ▶▶ कोल्हापुर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोल्हापुर में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' में कहा कि संविधान की रक्षा के लिए आरक्षण पर मौजूदा 50 प्रतिशत की सीमा हटाना जरूरी है। कोल्हापुर में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' में कहा कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक इस 50 फीसदी की सीमा को हटाने के लिए कानून पारित करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोकसभा और राज्यसभा में जाति जनगणना पर कानून पारित करना सुनिश्चित करेंगे और कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि दलितों या पिछड़े वर्गों का इतिहास स्कूलों में नहीं पढ़ाया जा रहा था। अब उस इतिहास को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अगर आप ओबीसी समाज को देखें, जैसे ही मैंने स्वप्निल कुम्हार से हाथ मिलाया, जिन्होंने मुझे मूर्ति दी। जिन हाथों में हुनर होता है, लोग उन्हें पीछे बिठा देते हैं।

भाजपा की तीखी आलोचना की

राहुल ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। राहुल ने मालवन में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर भाजपा की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 'लोगों को डराने और संविधान, संस्थाओं को नष्ट करने के बाद शिवाजी महाराज के सामने झुकने का कोई फायदा नहीं है। अगर छत्रपति शिवाजी महाराज और शाहू महाराज जैसे लोग नहीं होते तो संविधान नहीं होता।भारतीय संविधान शिवाजी महाराज के विचारों का प्रकटीकरण है।

दिल्ली में कैबिनेट प्रस्ताव पास होने के बाद एलजी के पास गए

भारद्वाज ने पकड़े भाजपा विधायक के पैर, गुप्ता की कार में बैठीं सीएम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में बस मार्शलों की बहाली के मुद्दे पर शनिवार को हाई बोल्टेज ड्रामा दिकाई दिया। दरअसल, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, आम आदमी पार्टी और भाजपा विधायकों के साथ बस मार्शलों की बहाली को लेकर कैबिनेट नोट सौंपने और उस पर मंजूरी के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना के कार्यालय पहुंचीं थीं। आम आदमी पार्टी का कहना है भाजपा विधायक सचिवालय से भागने लगे, लेकिन मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उनके पैर पकड़कर रोका। आप ने कहा कि बस मार्शलों की बहाली के लिए भाजपा विधायकों के सामने कैबिनेट नोट पास करने के बाद उस नोट को लेकर एलजी के पास सीएम आतिशी और आम आदमी पार्टी के मंत्री और विधायक गए थे।

बस मार्शलों की बहाली के मुद्दे पर हाई वोल्टेज ड्रामा

आतिशी बोलीं भाजपा राजनीति कर रही

दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि भाजपा विधायकों ने शुक्रवार को मुझसे मिलने का समय मांगा था, हमने उनसे मुलाकात की और उन्हें इस मुद्दे के बारे में समझाया कि यह एलजी के अधीन आने वाले सेवा मामलों के अंतर्गत आता है, लेकिन भाजपा की पोल खुल गई, क्योंकि हमारी पूरी कैबिनेट वहां थी। भाजपा को एलजी से उन मामलों पर निर्णय लेने के लिए कहना चाहिए जो उनके अधीन आते हैं, लेकिन भाजपा राजनीति कर रही है।

सचदेवा ने इसे आप की नौटंकी बताया

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि ये आप की नौटंकी है। जनता की अदालत लगाने से पहले केजरीवाल मार्शल की अदालत लगा लेते। आम आदमी पार्टी के ड्रामे से पहले ही हमने माननीय उपराज्यपाल से मार्शल की मुलाकात कर दी थी।

भारद्वाज, आप विधायकों और बस मार्शलों को हिरासत में लिया

इस दौरान भाजपा विधायकों ने भागने का पूरा प्रयास किया लेकिन मंत्री सौरभ भारद्वाज और आप नेताओं ने उन्हें भागने नहीं दिया। आप ने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी खुद भाजपा विधायक की गाड़ी में बैठकर एलजी हाउस इसलिए गईं, ताकि भाजपा विधायकों को भगाने का कोई भी मौका ना मिले। इस घटनाक्रम के बाद भारद्वाज, आप विधायकों और बस मार्शलों को राज निवास रोड से हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस ने इलाके को खाली कराया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)